www.bharatsamvad.in
R.N.I.No- UPHIN/2009/30939

सत्य का स्वर

भारत संवाद

प्रयागराज, लखनऊ तथा मुम्बई से एक साथ प्रकाशित

ऐप में पढ़े
E-PAPER
भारत संवाद
Scan for E-Paper
or
Search on Play
store Bharat
Samvad E-Paper

मौसम
अधिकतम तापमान 39.c
30.c न्यूनतम तापमान

बाजार
सोना 101.700g
चांदी 106.000kg

2 विश्व शांति के लिए भी खतरा है पाकिस्तान, सामने आई पड़ोसी देश की मंशा

रूस लड़कियों को बच्चे पैदा करने पर 1 लाख दे रहा 06

वर्ष :17 | अंक :95 | प्रयागराज , रविवार , 06 जुलाई 2025 | पृष्ठ : 06 | मूल्य : 1: 00 रुपए

संक्षिप्त समाचार

पुंछ में आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़, हैंडग्रेनेड समेत हथियारों का जखीरा बरामद

जम्मू-कश्मीर के सीमावर्ती जिले पुंछ के सुरनकोट उपखंड में आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों ने हथगोले, गोला-बारूद और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की। यह बरामदगी बेहरामगला के पास मरहा इलाके में की गई, जहां सुरक्षा बलों ने संदिग्ध आतंकवादी गतिविधि को लक्षित करते हुए तलाशी अभियान शुरू किया था। अधिकारियों ने बताया कि अभियान के दौरान तीन हथगोले, बीस गोलियां, एक तार काटने वाला उपकरण, एक चाकू, चार्जिंग केबल और बैटरियां जब्त की गईं। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि पुंछ पुलिस एसओजी और भारतीय सेना रोमियो फोर्स के संयुक्त आतंकवाद विरोधी अभियान के दौरान बेहराम गाला के पास मरहा में एक ठिकाने का भंडाफोड़ किया गया और तीन हथगोले, गोला-बारूद, वायर कटर, बैटरी, एक चाकू, बिजली के तार और अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की गई। इलाके में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिलने के बाद यह अभियान शुरू किया गया था। अंतिम रिपोर्ट प्राप्त होने तक तलाशी अभियान अभी भी जारी था।

छत्तीसगढ़ संपर्क क्रांति एक्सप्रेस में बम की सूचना से मचा हड़कंप, बाद में खबर निकली फर्जी, ट्रेन गंतव्य के लिए रवाना

दिल्ली से दुर्ग जा रही छत्तीसगढ़ संपर्क क्रांति एक्सप्रेस को लगभग एक घंटे की देरी से यहां झांसी रेलवे स्टेशन पर रोका गया, क्योंकि उसमें बम की धमकी मिली थी। बाद में पता चला कि यह एक अफवाह थी। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। बम रखे होने की सूचना मिलने के बाद झांसी रेलवे स्टेशन पर गहन जांच की गई और किसी प्रकार की संदिग्ध वस्तु नहीं मिलने के करीब एक घंटे बाद ट्रेन को गंतव्य के लिए रवाना कर दिया गया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, 12824 छत्तीसगढ़ संपर्क क्रांति एक्सप्रेस शुक्रवार शाम करीब छह बजे हजरत निजामुद्दीन से चली थी, जिसके बाद किसी अज्ञात व्यक्ति ने फोन कर सूचना दी कि इस ट्रेन के स्लीपर डिब्बे में बम रखा है। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही लखनऊ स्थित रेलवे नियंत्रण कक्ष के अधिकारी सतर्क हो गए और सुरक्षा के मद्देनजर ट्रेन को अगले स्टॉप झांसी के वीरांगना लक्ष्मीबाई स्टेशन पर रोक कर जांच की तैयारी शुरू कर दी गयी। जिलाधिकारी प्रमोद झा ने पुलिस अधीक्षक (रेलवे) विपुल कुमार श्रीवास्तव, रेलवे पुलिस बल (आरपीएफ) कमांडेंट विवेकानंद नारायण और सुरक्षा अधिकारियों के साथ मिलकर स्टेशन के प्लेटफार्म क्रमांक दो और तीन को पूरी तरह खाली करा दिया।

मराठी के लिए लड़ना अगर गुंडागर्दी, तो हम गुंडे है:उद्धव-राज ठाकरे

20 साल बाद ठाकरे परिवार एक साथ:उद्धव बोले- मराठी ने दूरियां खत्म कीं; राज बोले- फडणवीस ने वो किया जो बालासाहेब नहीं कर पाए

विशाल विजय सभा

राज ठाकरे ने कहा, मैंने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि मेरा महाराष्ट्र किसी भी राजनीति और लड़ाई से बड़ा है। आज 20 साल बाद मैं और उद्धव एक साथ आए हैं। जो बालासाहेब नहीं कर पाए, वो देवेंद्र फडणवीस ने कर दिखाया। हम दोनों को साथ लाने का काम।

एजेंसी

महाराष्ट्र ,करीब 20 साल बाद, अलग-थलग पड़े चचेरे भाई उद्धव और राज ठाकरे ने एक बार फिर सार्वजनिक मंच साझा किया। शनिवार को, वे प्राथमिक विद्यालयों में तीन-भाषा नीति को वापस लेने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले का जश्न मनाने के लिए मुंबई में एक विशाल विजय सभा के लिए एक साथ आए। शिवसेना और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना द्वारा संयुक्त रैली के दौरान भाईयों, उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने गले मिलकर एक दूसरे को बधाई दी। महाराष्ट्र सरकार ने हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में लागू करने के लिए दो सरकारी प्रस्तावों को रद्द कर दिया है। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के अध्यक्ष राज ठाकरे ने कहा, मैंने अपने एक इंटरव्यू में कहा था कि मेरा महाराष्ट्र किसी भी राजनीति और लड़ाई से बड़ा है। आज 20 साल बाद मैं और उद्धव एक साथ आए हैं। जो बालासाहेब नहीं कर पाए, वो देवेंद्र फडणवीस ने कर दिखाया। हम दोनों को साथ लाने का काम शिवसेना प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा, हम साथ रहने के लिए साथ आए हैं। महाराष्ट्र सरकार द्वारा हिंदी को तीसरी भाषा के रूप में लागू करने के सरकारी प्रस्ताव(जीआर) को रद्द करने के बाद, शिवसेना और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना मुंबई के वर्ली डोम में एक संयुक्त रैली कर रहे हैं। राज ठाकरे ने कहा कि मुझे हिंदी से कोई शिकायत नहीं है, कोई भी भाषा बुरी नहीं होती। भाषा को बनाने में बहुत मेहनत लगती है। मराठा साम्राज्य के दौरान हम मराठी लोगों ने कई राज्यों पर राज किया

हजारों कार्यकर्ताओं के सामने उद्धव और राज ने एक दूसरे को लगाया गले, शिवसेना यूबीटी ने बताया सुनहरा समय

शिवसेना नेता उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे शनिवार को फिर साथ आ गए। तीन भाषा विवाद के बीच दोनों क्षेत्रीय पार्टियां एक साथ आ गई हैं। ठाकरे बंधु 20 साल बाद एक साथ मंच पर दिखे। हजारों कार्यकर्ताओं के सामने उद्धव और राज ने एक दूसरे को गले लगाया। उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे ने मुंबई के वर्ली डोम में अपनी पार्टियों शिव सेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) की संयुक्त रैली में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर माला चढ़ाई। उद्धव ठाकरे गुट (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) की संयुक्त रैली पर शिवसेना (यूबीटी) नेता आनंद दुबे ने कहा कि कई सालों के बाद यह सुनहरा समय आया है, जहां आज दोनों ठाकरे, जो कि अच्छी तरह से स्थापित ब्रांड हैं, एक साथ आ रहे हैं, राजनीति के कारण नहीं, बल्कि महाराष्ट्र के सम्मान की खातिर।

राज ठाकरे ने कहा कि गुजराती हो या कोई और, मराठी तो आनी ही चाहिए, लेकिन अगर कोई मराठी नहीं बोलता तो उसे पीटने की जरूरत नहीं है। लेकिन अगर कोई बेकार का ड्रामा करे तो उसके कान के नीचे से वार करना चाहिए। मैं आपको एक और बात बताता हूं: अगर आप किसी को पीटते हैं

ठाकरे ब्रदर्स की सभा पर सीएम फडणवीस का पलटवार

बोले- विजयी सभा की जगह रुदाली भाषण हुआ

फडणवीस ने उद्धव पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि बालासाहेब ठाकरे मुझे आशीर्वाद दे रहे होंगे। मुझे बताया गया था कि यह एक विजय रैली होनी थी, लेकिन यह एक रुदाली भाषण निकला। शिवसेना अध्यक्ष उद्धव ठाकरे पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने शनिवार को कहा कि उन्होंने संयुक्त रैली में रुदाली जैसा भाषण दिया। उन्होंने मनसे अध्यक्ष राज ठाकरे को दोनों चचेरे भाइयों को फिर से मिलाने का श्रेय देने के लिए धन्यवाद दिया। फडणवीस ने उद्धव पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि बालासाहेब ठाकरे मुझे आशीर्वाद दे रहे होंगे। मुझे बताया गया था कि यह एक विजय रैली होनी थी, लेकिन यह एक रुदाली भाषण निकला।

मोदी ने अर्जेंटीना के नेशनल हीरो मार्टिन को श्रद्धांजलि दी

दो दिनों के दौरे पर पीएम; राष्ट्रपति जेवियर से मुलाकात, बिजनेस समिट में हिस्सा लेंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि सांस्कृतिक संबंधों के लिए दूरी कोई बाधा नहीं है। यह बात उन्होंने अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स में अल्वियर पैलेस होटल पहुंचने पर भारतीय समुदाय द्वारा किए गए गर्मजोशी भरे और पारंपरिक स्वागत के बाद कही।

एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अर्जेंटीना के नेशनल हीरो और स्वतंत्रता सेनानी जनरल जोस डी सैन मार्टिन के स्मारक पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। सैन मार्टिन को दक्षिण अमेरिकी देशों- अर्जेंटीना, चिली और पेरू के मुक्तिदाता के रूप में भी जाना जाता है। पीएम मोदी शनिवार सुबह को दो दिन के दौरे पर अर्जेंटीना पहुंचे हैं। होटल पहुंचने पर भारतीय समुदाय के लोगों ने उनका स्वागत किया। ढट मोदी और अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर जेवियर मिलई के बीच आज द्विपक्षीय बातचीत होगी। मोदी भारतीय मूल के लोगों को संबोधित भी करेंगे।मोदी की यात्रा के दौरान भारत-अर्जेंटीना के बीच डिफेंस, एग्रीकल्चर, एनर्जी, परमाणु सहयोग, व्यापार और निवेश पर चर्चा हो सकती है। दोनों देशों में लिथियम सप्लाई पर भी समझौता संभव है। अर्जेंटीना के पास दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा लिथियम भंडार है।मोदी 2 जुलाई से 10 जुलाई तक, 5 देशों की यात्रा पर हैं। वे घाना, त्रिनिदाद एंड टोबैगो के बाद अर्जेंटीना पहुंचेंगे। इसके बाद उनका अगला पड़ाव ब्राजील है। पीएम बनने के बाद मोदी का यह दूसरा अर्जेंटीना दौरा है।इससे पहले वे 2018 में जी20 समिट में हिस्सा लेने अर्जेंटीना गए थे। भारत और अर्जेंटीना जी20, जी77 और यूनाइटेड नेशन के सदस्य हैं।

अर्जेंटीना में लगभग 3 हजार भारतीय प्रवासी

अर्जेंटीना में लगभग 3 हजार भारतीय प्रवासी रहते हैं। दोनों देश डिफेंस सेक्टर में सहयोग बढ़ाने पर काम कर रहे हैं। दोनों देशों के बीच फरवरी, 2025 में मिलिट्री ज्वाइंट एक्सरसाइज और इक्विपमेंट पर चर्चा हुई थी।

90वें जन्मदिन से पहले दलाई लामा बोले- 130 साल जियूंगा

उत्तराधिकारी के चयन और विवाद पर कहा- अभी 30-40 साल तक लोगों की सेवा करूंगा

एजेंसी

धर्मशाला, तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा ने 90वें जन्मदिन से पहले कहा- मैं अभी 130 साल और जियूंगा। शनिवार को अपने उत्तराधिकारी के चुनाव और विवाद पर कहा- कहा कि मुझे लोगों की सेवा करने के लिए 30-40 साल और जीने की उम्मीद है। कई भविष्यवाणियों को देखते हुए मुझे लगता है कि मुझ पर अवलोकितेश्वर का आशीर्वाद है। मुझे उम्मीद है कि मैं अभी भी 30-40 साल और जियूंगा। दलाई लामा के उत्तराधिकारी की घोषणा की अफवाहें उनके 90वें जन्मदिन से कुछ दिन पहले से ही चल रही हैं। हालांकि, केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के अध्यक्ष पेनपा त्सेरिंग अफवाहों को खारिज कर चुके हैं। मौजूदा दलाई लामा 6 जुलाई को 90 साल के हो जाएंगे। निर्वासित तिब्बती सरकार उनके जन्मदिन पर हिमाचल प्रदेश के धर्मशाला के पास मैकलोडगंज में एक सप्ताह से कार्यक्रम कर रही है। दरअसल, दलाई लामा ने 2 जुलाई को हिमाचल में कहा था कि उनके उत्तराधिकारी को मान्यता देने का अधिकार तिब्बती बौद्ध गुरुओं को है।

भारत बोला- हम धार्मिक प्रथाओं पर नहीं बोलते भारतीय विदेश मंत्रालय ने 4 जुलाई को दलाई लामा के उत्तराधिकार पर कहा- भारत सरकार आस्था और धार्मिक प्रथाओं से जुड़े मामलों पर न तो कोई रुख अपनाती है और न बोलती है। आगे भी ऐसा करती रहेगी।

नीरव मोदी का भाई निहाल मोदी अमेरिका में गिरफ्तार

ईडी-सीबीआई के प्रत्यर्पण अनुरोध पर कसा शिकंजा

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी अधिकारियों ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के प्रत्यर्पण अनुरोधों के आधार पर भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी के छोटे भाई निहाल मोदी को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अमेरिकी अधिकारियों ने भारत को सूचित किया कि निहाल मोदी को शुक्रवार को हिरासत में ले लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि मामले की सुनवाई की अगली तारीख 17 जुलाई है और उस सुनवाई में निहाल जमानत का अनुरोध कर सकता है, लेकिन अमेरिकी अभियोजक इसका विरोध करेंगे। प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई द्वारा संयुक्त रूप से किये गये प्रत्यर्पण अनुरोध पर यह कदम उठाया गया।

पीयूष गोयल चाहे जितनी छाती पीट लें, ट्रंप टैरिफ की समयसीमा के आगे झुकेंगे मोदी..

राहुल गांधी का प्रधानमंत्री पर तीखा हमला

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की एक टिप्पणी को लेकर शनिवार को दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार शुल्क संबंधी समयसीमा के सामने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आसानी से झुक जाएंगे।

एजेंसी

डोनाल्ड ट्रंप के पारस्परिक टैरिफ लागू होने में सिर्फ. तीन दिन बचे हैं, कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जोर देकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व्यापार समझौते पर गतिरोध के बीच समय सीमा के आगे झुकेंगे। गांधी की यह प्रतिक्रिया तब आई जब केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत अमेरिका के साथ तभी व्यापार समझौता करेगा जब उसके हितों की रक्षा होगी। सूत्रों ने पहले इंडिया टुडे को बताया था कि भारत और अमेरिका के बीच अंतरिम व्यापार समझौते पर 9 जुलाई की समय सीमा से पहले हस्ताक्षर होने की संभावना है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की एक टिप्पणी को लेकर शनिवार को दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार शुल्क संबंधी समयसीमा के सामने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आसानी से झुक जाएंगे। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री गोयल ने शुक्रवार को कहा था कि भारत समयसीमा के आधार पर कोई व्यापार समझौता नहीं करता है और अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते को तभी स्वीकार करेगा जब यह पूरी तरह अंतिम रूप ले लेगा, ठीक से संपन्न होगा और राष्ट्रहित में होगा।

गुरु शिष्य के आदर्शतम रिश्ते की मिसाल है गोरक्षपीठ

अपने समय में योगी के लिए बड़े महराज का आदेश बीटो जैसा था

गुरुपूर्णिमा के उपलक्ष्य में गोरखनाथ मंदिर में साप्ताहिक श्रीराम कथा का आयोजन 4 जुलाई से शुरू हो चुकी है। कथाव्यास के रूप में हैं प्रयागराज के आचार्य शांतनु जी महाराज। कथा का समय रोज सुबह 9 से 11.30 और दोपहर बाद तीन से छह बजे है।

एजेंसी

लखनऊ। भारतीय संस्कृति में गुरु और शिष्य के रिश्ते को आदर्श माना जाता रहा है। गुरुकुल की अपनी परंपरा में गुरु एवं शिष्य का एक दूसरे के पर विश्वास, सम्मान और समर्पण इस रिश्ते की बुनियाद रही है। यह रिश्ता केवल शिक्षा एवं ज्ञान तक सीमित नहीं था, बल्कि यह शिष्य के जीवन को दिशा देने, चरित्र निर्माण और आध्यात्मिक उन्नति का माध्यम भी रहा है। कहा जा सकता है कि एक दूसरे का गुरुत्व बढ़ाना गुरु-शिष्य की श्रेष्ठतम परंपरा है। गुरु का गुरुत्व, शिष्य की श्रद्धा में होता है। यह श्रद्धा गुरु के सशरीर रहने पर तो होती ही है, उनके ब्रह्मलीन होने पर भी शिष्य की श्रद्धा जस की तस रहती है। इसी तरह एक योग्य गुरु भी लगातार अपने शिष्य का गुरुत्व बढ़ाने का प्रयास करता है। इस मायने में गोरखपुर स्थित गोरक्षपीठ की तीन पीढ़ियां खुद में बेमिसाल हैं।गोरक्षपीठाधीश्वर एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पूज्य गुरु ब्रह्मलीन और महंत अवेद्यनाथ (बड़े महराज) का रिश्ता इसकी मिसाल है।

जानलेवा भगदड़ के बाद बाहुड़ा यात्रा के लिए पुरी में कड़ी सुरक्षा, औपचारिक पहांडी अनुष्ठान के साथ शुरू

भगवान जगन्नाथ की बहुदा यात्रा या रथ वापसी उत्सव शनिवार को औपचारिक पहांडी अनुष्ठान के साथ शुरू हो गया। इस दौरान मूर्तियों को श्री गुंडिचा मंदिर से सारधाबली में खड़े रथों तक औपचारिक यात्रा के जरिये ले जाया जा रहा है।

एजेंसी

भगवान जगन्नाथ की बहुदा यात्रा या रथ वापसी उत्सव शनिवार को औपचारिक पहांडी अनुष्ठान के साथ शुरू हो गया। इस दौरान मूर्तियों को श्री गुंडिचा मंदिर से सारधाबली में खड़े रथों तक औपचारिक यात्रा के जरिये ले जाया जा रहा है। ओडिशा के पुरी में शनिवार को भगवान जगन्नाथ की बहुदा यात्रा के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं। इस यात्रा के साथ ही रथ यात्रा उत्सव का समापन हो जाएगा। भगवान जगन्नाथ की बहुदा यात्रा के लिए कड़े सुरक्षा इंतजाम अधिकारियों ने बताया कि राज्य पुलिस के कुल 6,000 अधिकारी और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के 800 जवान शहर में तैनात किए गए हैं।

जंगल राज लालू के जंगल राज और नीतीश के राज में कोई अंतर नहीं

गोपाल खेमका हत्याकांड पर बोले प्रशांत किशोर

एजेंसी

नयी दिल्ली। व्यवसायी गोपाल खेमका की हत्या मामले पर जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि लालू यादव के जंगल राज और नीतीश कुमार के राज में कोई अंतर नहीं है। उन्होंने कहा कि लालू यादव के राज में अपराधियों का तांडव था और नीतीश कुमार के राज में अधिकारियों का तांडव है। प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया कि पहले जिस तरह का भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था की स्थिति थी, वह आज भी वैसी ही है। पटना में इतने बड़े व्यवसायी की गोली मारकर हत्या कर दी जाती है और कोई कार्रवाई नहीं होती। प्रशांत किशोर ने कहा कि कल ही सीवान में तीन लोगों को गोली मार दी गई। यह तो रोज की बात है। यह अधिकारियों का राज है, जो अपनी मर्जी से काम चला रहे हैं। दूसरी ओर बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि पुलिस मामले की जांच कर रही है। बिहार सरकार ने एसआईटी का गठन किया है। जल्द से जल्द कार्रवाई की जाएगी और सरकार हर पहलू की जांच कर रही है। किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने कहा कि यह दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है। जो लोग इसे महा जंगल राज कह रहे हैं, वे यहां गुंडा राज लाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हमारी नजर उन अधिकारियों पर है जो उस जंगल राज के दौरान पले-बढ़े थे... जिन गैर-जिम्मेदार अधिकारियों ने सख्त और त्वरित कार्रवाई नहीं की है, उन्हें जवाबदेह ठहराया जाएगा।

प्रशांत किशोर ने आरोप लगाया कि पहले जिस तरह का भ्रष्टाचार और कानून-व्यवस्था की स्थिति थी, वह आज भी वैसी ही है। पटना में इतने बड़े व्यवसायी की गोली मारकर हत्या कर दी जाती है और कोई कार्रवाई नहीं होती।

बुलडोजर की कार्रवाई होगी, एनकाउंटर होगा, संपत्ति जब्त होगी और पीड़ित परिवार को दिए जाने वाले मुआवजे के बारे में हम सीएम से चर्चा करेंगे। बिहार के जाने-माने व्यवसायी गोपाल खेमका की पटना में उनके आवास के निकट मोटरसाइकिल सवार हमलावर ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना शुक्रवार रात करीब 11 बजकर 40 मिनट पर गांधी मैदान इलाके में हुई। पुलिस अधीक्षक (पटना सेंट्रल) दीक्षा ने संवाददाताओं को बताया, स्थानीय थाने के अधिकारी व गश्ती वाहनों में सवार पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक विशेषज्ञ साक्ष्य एकत्र कर रहे हैं। जांच जारी है। उन्होंने बताया, सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि खेमका को मोटरसाइकिल सवार एक अज्ञात हमलावर ने गोली मारी खेमका के परिवार के सदस्यों के अनुसार, उनके बेटे की भी छह वर्ष पहले हाजीपुर में अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी।

उन्हें अब कोई गंभीरता से नहीं लेता... राहुल गांधी पर पीयूष गोयल का पलटवार

एजेंसी

नयी दिल्ली। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा अमेरिका के साथ भारत की व्यापार वार्ता पर दिए गए बयान पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि भारत समय-सीमा के तहत बातचीत नहीं करता, हम राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए बातचीत करते हैं। दुनिया भर में हमारे सभी कार्यों में राष्ट्रीय हित सर्वोपरि है। उन्होंने आगे कहा कि आज भारत मजबूती के साथ बातचीत करता है, हम आत्मविश्वास से भरे हैं और दुनिया में किसी से भी मुकाबला कर सकते हैं। राहुल गांधी पर तंज सकते हुए गोयल ने कहा कि यह यूपीए शासन वाला भारत नहीं है, जो राष्ट्रीय हित के बिना बातचीत के लिए भीख मांगता था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को अब कोई गंभीरता से नहीं लेता, क्योंकि वे, उनके साथी और उनकी पार्टी लगातार नकारात्मकता फैलाते रहते हैं। उन्होंने भारत के लोगों का विश्वास खो दिया है, जिन्होंने बार-बार कांग्रेस को नकार दिया है। आज तक वे देश के विकास के लिए कोई सकारात्मक एजेंडा नहीं बना पाए हैं।

राहुल गांधी पर तंज सकते हुए गोयल ने कहा कि यह यूपीए शासन वाला भारत नहीं है, जो राष्ट्रीय हित के बिना बातचीत के लिए भीख मांगता था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को अब कोई गंभीरता से नहीं लेता, क्योंकि वे, उनके साथी और उनकी पार्टी लगातार नकारात्मकता फैलाते रहते हैं।

सम्पादकीय

घटिया निर्माण का नतीजा, सरकारों को ध्यान देने की जरूरत

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में बादल फटने से हुई क्षति दशार्ती है कि पर्वतीय क्षेत्रों में बरसात में विषम हालात पैदा होते हैं। सरकारी और गैर-सरकारी निर्माण कार्यों की घटिया गुणवत्ता इसका मुख्य कारण है जिस पर राज्य और केंद्र सरकारें ध्यान नहीं दे रहीं। बुनियादी ढांचे के निर्माण में मानकों का पालन न करने से हादसे होते रहेंगे और दोष प्रकृति पर डाला जाएगा। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में बादल फटने से जो जन-धन हानि हुई, वह यही बता रही है कि अपने देश में और विशेष रूप से पर्वतीय इलाकों में बरसात के दिनों में कैसी विषम परिस्थितियां पैदा हो जाती हैं। ये केवल इसलिए नहीं पैदा होतीं कि ज्यादा वर्षा हो गई, बाढ़ आ गई या भूस्खलन हो गया। ऐसी परिस्थितियां इसलिए भी पैदा होती हैं, क्योंकि सरकारी एवं गैर सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता का स्तर बहुत ही घटिया है। इस पर न तो राज्य सरकारें गंभीरता से ध्यान दे रही हैं और न ही केंद्र सरकार, जिसकी कई परियोजनाएं राज्यों में जारी रहती हैं। ऐसा लगता है कि किसी का इस पर ध्यान ही नहीं कि यदि बुनियादी ढांचे से जुड़े निर्माण की गुणवत्ता पर ध्यान नहीं दिया जाएगा तो जैसा हादसा मंडी अथवा शिमला में हुआ, वैसे होते ही रहेंगे और उनका दोष प्रकृति पर मढ़कर कर्तव्य की इतिश्री कर ली जाएगी। बात केवल हिमाचल की ही नहीं है, उत्तराखंड में भी कुछ स्थानों पर भूस्खलन होने से तीर्थयात्री संकट में पड़े हैं। आने वाले दिनों में इस तरह के दुखद समाचार रह-रहकर देखने-सुनने को मिल सकते हैं। ऐसे समाचार देश के गैर पर्वतीय राज्यों से भी आएंगे, क्योंकि तनिक सी बरसात बुनियादी ढांचे के निर्माण की पोल खोलने का काम करती है। पोल मुंबई जैसे महानगरों के शहरी ढांचे की भी खुलती है और देश की राजधानी दिल्ली की भी। इसका कोई मतलब नहीं कि हम बार-बार विकसित भारत की बात करें, लेकिन सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की अनदेखी करें और मानक होते हुए भी उनका पालन न करें। इस तरह से तो हम विकसित देश नहीं बन सकते। ज्यादा बारिश, भूस्खलन आदि की घटनाएं विकसित देशों में भी होती हैं, लेकिन वहां सरकारी एवं निजी लोगों की ओर से कराए गए निर्माण कार्य की गुणवत्ता बेहतर होती है। इसीलिए वहां हादसे और उनमें जान गंवाने वाले लोगों की संख्या कम होती है। पता नहीं क्यों हम विकसित देशों से कुछ सीखने से क्यों इन्कार कर रहे हैं? इस इन्कार के लिए राज्यों और केंद्र सरकारों के साथ उनकी नौकरशाही सीधे तौर पर जिम्मेदार है। बुनियादी ढांचे के निर्माण से जुड़े सरकारी विभाग भयंकर किस्म के भ्रष्टाचार से ग्रस्त हैं। इसी कारण नए बने भवन में लीकेज होने लगता है और पुल उद्घाटन से पहले ही ढह जाते हैं। इस सच से पहले के नीति नियंता भी अवगत थे और वर्तमान के भी।

आज का विचार

आज हमारे जीवन में परिवर्तन
इसलिए नहीं आ पा रहे
क्योंकि जीवन से चिंतन
निकल गया है
...और चिंता का प्रवेश हो गया है।

भारत संवाद

मेष राशि : करियरः सुबह से कामकाज में व्यस्तता बनी रहेगी, कार्यक्षेत्र में दौड़-भाग रहेगी. बिजनेसः एक से अधिक स्त्रोतों से धन मिलने की संभावना है. धनः आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, लेकिन अनावश्यक चिंता से बचें. शिक्षाः पढ़ाई से ध्यान भटक सकता है, मन शांत रखें.

वृषभ राशि : करियरः नए प्रोजेक्ट पर काम की शुरूआत करेंगे, सीनियर्स का सहयोग मिलेगा. बिजनेसः कोई नया पार्टनरशिप आइडिया काम आ सकता है. धनः दिन लाभदायक रहेगा, लेकिन सोच समझकर खर्च करें. शिक्षाः अपनी रुचि के नए विषय में पढ़ाई शुरू कर सकते हैं.

मिथुन राशि : करियरः किसी पुरानी फाइल से आज लाभ मिल सकता है. बिजनेसः संपत्ति विवाद में जीत के योग बनेंगे. धनः आमदनी बढ़ेगी और रुका हुआ पैसा मिल सकता है. शिक्षाः पढ़ाई में सकारात्मक ऊर्जा बनी रहेगी.

लव/पारिवारिकः जीवनसाथी के साथ संबंध बेहतर होंगे, तनाव समाप्त होगा.

कर्क राशि : करियरः कार्यस्थल पर कुछ नई योजनाएं शुरू कर सकते हैं. बिजनेसः अतिरिक्त आय के स्रोत बनेंगे. धनः आय में वृद्धि होगी, पर खर्चों पर संयम रखें. शिक्षाः आत्मविश्वास के साथ तैयारी करेंगे तो बेहतर परिणाम मिलेंगे.

सिंह राशिः करियरः करियर में बड़ी सफलता के संकेत, प्रमोशन की सूचना मिल सकती है. बिजनेसः विदेश व्यापार से जुड़े लोगों को लाभ मिलेगा. धनः अचानक से धन लाभ होगा. शिक्षाः छात्रों को पढ़ाई में सफलता मिलेगी, मनोबल ऊँचा रहेगा.

कन्या राशि : करियरः कार्यक्षेत्र में विरोधियों से सतर्क रहें. बिजनेसः निवेश से लाभ मिलेगा लेकिन जल्दबाजी से बचें. धनः कुछ अनावश्यक खर्च बढ़ सकते हैं.

तुला राशिः करियरः मेहनत का अच्छा फल मिलेगा, पदोन्नति के योग हैं. बिजनेसः आपकी छवि सकारात्मक बनेगी, नए क्लाइंट जुड़ सकते हैं. धनः आय के स्रोत बढ़ेंगे. शिक्षाः पढ़ाई में रुचि रहेगी, किसी प्रतियोगिता में सफलता मिल सकती है.

वृश्चिक राशिः करियरः कार्यों में सुधार करेंगे, सफलता मिलेगी. बिजनेसः नए काम की शुरूआत करना शुभ रहेगा. धनः खर्च और निवेश में संतुलन रखें. शिक्षाः पढ़ाई में लापरवाही से नुकसान हो सकता है. लव/पारिवारिकः जीवनसाथी से छोटी बात पर बहस हो सकती है.

धनु राशिः करियरः कामकाज में सुधार होगा, पुराने काम पूरे करेंगे. बिजनेसः व्यापार में लाभ की स्थिति रहेगी. धनः खर्च ज्यादा होंगे लेकिन आमदनी भी बनी रहेगी. शिक्षाः पढ़ाई में ध्यान लगेगा, आत्मविश्वास बढ़ेगा.

मकर राशिः करियरः सामाजिक कार्यों में सम्मान मिलेगा. बिजनेसः व्यापार में नए समझौते होंगे. धनः आर्थिक स्थिति मजबूत होगी. शिक्षाः प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी में सफलता मिलेगी.

कुंभ राशि : करियरः इंटरव्यू या नई नौकरी से अच्छी खबर मिल सकती है. बिजनेसः जमीन-जायदाद से लाभ होगा. धनः रुका हुआ पैसा मिलेगा, निवेश से भी लाभ होगा. शिक्षाः छात्रों को मार्गदर्शन मिलेगा, एकाग्रता बढ़ेगी.

मीन राशि : करियरः कार्यक्षेत्र में विवाद से बचें. बिजनेसः किसी ग्राहक से विवाद की संभावना है, शांति बनाए रखें. धनः निवेश से लाभ होगा लेकिन वाहन चलाते समय सावधानी रखें. शिक्षाः छात्रों को मेहनत ज्यादा करनी होगी. लव/पारिवारिकः संतान से शुभ समाचार मिलेगा, लव लाइफ बेहतर होगी. उपायः मंदिर में दूध-सेब का दान करें. लकी कलरः क्रीम लकी नंबरः 11

ज्योतिष सेवा केन्द्र
ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

विश्व शांति के लिए भी खतरा है पाकिस्तान, सामने आई पड़ोसी देश की मंशा

> पहलगाम में हुए आतंकी हमले ने भारत-पाकिस्तान के संबंधों को प्रभावित किया है। हमले में पर्यटकों की धार्मिक पहचान पूछकर हत्या की गई। लश्कर के संगठन टीआरएफ ने इसकी जिम्मेदारी ली। इस घटना का उद्देश्य जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा व्यवस्था को अस्थिर करना था। भारत ने आर्थिक और कूटनीतिक कदम उठाकर पाकिस्तान को जवाब दिया।

पहलगाम के आतंकी हमले ने द्विपक्षीय समीकरण ही नहीं, बल्कि समूचे दक्षिण एशिया में संबंधों के तानेबाने को प्रभावित किया है। इस हमले ने आतंक की नीति को जारी रखने वाली पाकिस्तानी मंशा को प्रकट किया था। पर्यटकों से उनकी मजहबी पहचान पूछकर की गई हत्याओं को लश्कर के पिट्ठू संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट यानी टीआरएफ ने अंजाम दिया। इसे केवल एक नरसंहार के रूप में न देखा जाए। यह भू-राजनीतिक उकसावे की एक सुनियोजित कार्रवाई थी। इसने जहां आतंक को पालने-पोसने वाले पाकिस्तान के कलंकित इतिहास को दोहराया, वहीं इसके पीछे की एक मंशा जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा ढांचे को अस्थिर करने की भी थी। वैश्विक निगरानी और अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद पाकिस्तान ने अपनी जमीन पर संचालित आतंकी ढांचे को समाप्त नहीं किया है। पहलगाम हमला भी उसी पुराने ढर्रे पर किया गया, जहां सेना-आइएसआइ की आतंकी करतूत से इस्लामाबाद ने आदतन किनारा कर लिया। इसमें किसी को कोई संदेह नहीं हो सकता कि पाकिस्तान के शीर्ष नेतृत्व की हरी झंडी के बिना ऐसे किसी हमले को अंजाम दिया गया होगा। पहलगाम हमले के बाद भारत ने आर्थिक, कूटनीतिक और सामरिक मोर्चों पर बहुत कारगर कदम उठाए और पाकिस्तान को करारा जवाब दिया। दूसरी ओर, पाकिस्तान लकीर पीटने वाले ढर्रे पर चलते हुए बस शेखी बघारता रहा। भारत ने जहां सिंधु जल समझौते को ठंडे बस्ते में डालकर पाकिस्तान और उसकी आर्थिकी की कमर तोड़ने वाला दांव चला, वहीं पाकिस्तान शिमला समझौते से पीछे हटने का निरर्थक राग अलापता रहा।

कश्मीर में दशकों की अस्थिरता से उबरते हुए पटरी पर आ रही पर्यटन गतिविधियां आतंकी हमले के बाद फिर से अनिश्चितता के भंवर में फंस गई हैं। हालांकि इसका आर्थिक खामियाजा जम्मू-कश्मीर से परे समूचे दक्षिण एशिया को भुगतना पड़ रहा है। इस पृष्ठभूमि में भारत-पाकिस्तान, दोनों ने व्यापार, निवेश और वीजा आदि के मोर्चे पर जो कदम उठाए हैं, उससे क्षेत्रीय सहयोग के साथ ही आर्थिक-व्यापारिक गतिविधियों पर भी ग्रहण लगा है। इस तरह एक देश की आतंक समर्थक नीतियों की कीमत पूरे क्षेत्र को अपनी शांति एवं समृद्धि गंवाने के रूप में चुकानी पड़ रही है। यहां तक कि पाकिस्तान के इस रवैये का दंश वहां की जनता को भी भुगतना पड़ रहा है। उसे फर्जी राष्ट्रवाद की घुट्टी पिलाई जा रही है। भले ही पाकिस्तान खुद को आतंक से पीड़ित दिखाने का प्रयास करता रहे, लेकिन उसकी पहचान आतंक से निपटने में शिथिलता दिखाने वाले देश की ही है। करीब ढाई माह पुराने पहलगाम हमले ने आतंकी गतिविधियों के मामले में पाकिस्तान को लेकर अंतरराष्ट्रीय चिंताओं को नए सिरे से उभारने का काम किया है। पूर्व में पाकिस्तान को ग्रे लिस्ट में रखने वाली एफएटीएफ जैसी संस्था के समक्ष भी पाकिस्तान पर अंकुश लगाने का दबाव बढ़ेगा। इससे पाकिस्तान की छवि और खराब होगी। आर्थिक निवेश और विकास को लेकर उसकी उम्मीदों को पलीता लगेगा। पहलगाम हमला पाकिस्तान के आतंकी चरित्र में एक खतरनाक बदलाव का भी परिचायक है। 2001 की शुरूआत से पाकिस्तान पोषित आतंकियों ने मुख्य रूप से जम्मू क्षेत्र को निशाना बनाते हुए सैन्य बलों पर ही हमले किए। अनुच्छेद 370 की समाप्ति के बाद पहलगाम हमला कश्मीर में हुई पहली बड़ी आतंकी वारदात रही। हिंदुओं को निशाना बनाने के पीछे भी कुत्सित सोच एकदम स्पष्ट रहा कि देश में सामाजिक वैमनस्य बढ़े और कश्मीर में सरकार का विकास एजेंडा पटरी से उतरे। भारत ने इसे बखूबी समझा। इसका असर हमले के बाद की प्रतिक्रिया में भी झलका। भारत ने बहुस्तरीय रणनीति अपनाते हुए खुफिया मोर्चे को और चाकचौबंद किया, जमीनी स्तर पर सुरक्षाकर्मियों की तैनाती बढ़ाई और किसी भी संभावित आतंकी हमले को निस्तेज करने के लिए अभियान तेज किए, विशेष तौर पर अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा को लेकर। चूंकि जम्मू-कश्मीर में अभी भी सैकड़ों पाकिस्तान समर्थक आतंकी सक्रिय हैं, इसलिए सुरक्षा बलों की चुनौती काफी कड़ी होने वाली है। इस समय भले ही दोनों देशों के बीच युद्धविराम जैसी स्थिति हो, लेकिन पाकिस्तान अपने आतंकी पिट्ठुओं को एक रणनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल करता रहेगा। भारत ने जिस तरह सिंधु जल समझौते को स्थगित रखने की दृढ़ता दिखाई है, उसके चलते इसकी भरी-पूरी आशंका है कि आतंकी जम्मू-कश्मीर में किसी अहम इन्फ्रास्ट्रक्चर ढांचे को निशाना बनाएं ताकि भारत सरकार कुछ दबाव में आए और कश्मीर का मुद्दा अंतरराष्ट्रीय पटल पर छाए। भारत ने इरादे एकदम स्पष्ट कर दिए हैं कि भविष्य में कोई आतंकी हमला युद्ध के लिए उकसाने वाले कृत्य के रूप में देखा जाएगा। किसी हमले की सूरत में दोनों देश फिर से आमने-सामने आ सकते हैं। इससे अंतरराष्ट्रीय दबाव और संभावित मध्यस्थता प्रयासों के लिए गुंजाइश बनेगी। यह भी एक पहलू है जो पाकिस्तान की नापाक कश्मीर नीति से जुड़ा है। भारत के दृष्टिकोण से पहलगाम हमला केवल एक त्रासदी भर नहीं, बल्कि एक निर्णायक मोड़ रहा। ऐसा मोड़, जिसने भविष्य में किसी भी पाकिस्तानी आतंकी कृत्य से निपटने की उसकी दिशा को निर्धारित किया है। पाकिस्तान के आतंकी चरित्र ने न केवल दक्षिण एशिया की शांति में खलल डाला है, बल्कि वैश्विक सुरक्षा के लिए भी वह नासूर बन गया है। उससे निपटने की आधी-अधूरी कार्रवाई से बात नहीं बनने वाली। उसके साथ कूटनीतिक सक्रियता का समय भी अब निकल गया। पाकिस्तान में सक्रिय आतंकी ढांचे को ध्वस्त किए बिना दक्षिण एशिया में शांति संभव नहीं। समय आ गया है कि पाकिस्तान को केवल पहलगाम के लिए ही नहीं, बल्कि दशकों से चले आ रहे छद्म युद्ध में गंवाई हर एक जान के लिए जिम्मेदार और जवाबदेह बनाकर न्याय के कठघरे में खड़ा किया जाए।

दलाई लामा के चयन पर चीन का साजिशपूर्ण हस्तक्षेप

ललित गर्ग

तिब्बत के आध्यात्मिक नेता एवं वर्तमान 14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो की उत्तराधिकार प्रक्रिया न केवल बौद्ध धर्म और तिब्बत की संस्कृति से जुड़ा विषय है, बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय राजनीति, मानवाधिकार और भारत-चीन संबंधों के संदर्भ में भी अत्यंत महत्वपूर्ण हो गया है। चीन द्वारा इस धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप करने का प्रयास न केवल धार्मिक स्वतंत्रता का हनन है, बल्कि यह वैश्विक जनमत की भी अवहेलना है। इन स्थितियों में उत्तराधिकार के मसले पर भारत की भूमिका एक निर्णायक मार्गदर्शक के रूप में उभरती है और इसे दृष्टि में रखते हुए भारत ने दलाई लामा का पक्ष लिया है। ऐसा करने में कुछ भी अप्रत्याशित नहीं हैं। भारत शुरू से तिब्बतियों के अधिकार, उनके हितों और उनकी परंपराओं व मूल्यों के समर्थन में खड़ा रहा है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू का बयान चीन के लिए यह संदेश भी है कि इस संवेदनशील मसले पर उसकी मनमानी नहीं चलेगी।

चीन, दलाई लामा के उत्तराधिकारी के चयन में हस्तक्षेप करने की कोशिश कर रहा है, यह दावा करते हुए कि यह धार्मिक और ऐतिहासिक प्रक्रिया का हिस्सा है। हालांकि, दलाई लामा और तिब्बती समुदाय का कहना है कि यह अधिकार केवल उनके पास है और चीन का हस्तक्षेप धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है। चीन, “स्वर्ण कलश” प्रणाली का उपयोग करके अपने पसंदीदा उम्मीदवार को स्थापित करना चाहता है। चीन का कहना है कि दलाई लामा का उत्तराधिकारी चुनने का अधिकार उसे “स्वर्ण कलश” प्रणाली के माध्यम से है, जो 1793 में किंग राजवंश के समय से चली आ रही है। इस प्रणाली में, संभावित उत्तराधिकारियों के नाम एक कलश में डाले जाते हैं और फिर एक नाम निकाला जाता है।

दलाई लामा केवल तिब्बत के धार्मिक नेता नहीं हैं, वे तिब्बती अस्मिता, स्वतंत्रता और आत्म-सम्मान के प्रतीक हैं। वर्तमान 14वें दलाई लामा, तेनजिन ग्यात्सो, 1959 में चीन की दमनकारी नीतियों के कारण तिब्बत छोड़कर भारत आए और धर्मशाला में निर्वासित तिब्बती सरकार की स्थापना हुई। भारत ने न केवल उन्हें शरण दी, बल्कि एक शांतिपूर्ण संघर्ष के पथप्रदर्शक के रूप में वैश्विक स्तर पर उनके विचारों को मंच भी प्रदान किया। वर्तमान दलाई लामा ने इस पद के लिए अगले शख्स को चुनने की सारी जिम्मेदारी गाडेन फोडरंग ट्रस्ट को दे दी है। उन्होंने कहा है कि इस मामले में किसी और को हस्तक्षेप करने का अधिकार नहीं है। उनका इशारा चीन की ओर था। रिजिजू ने भी इस बात का समर्थन किया है। वहीं, चीन ने इस मसले में साजिशपूर्ण हस्तक्षेप करते हुए कहा है कि उत्तराधिकारी का चयन चीनी मान्यताओं के अनुसार और पेइचिंग की मंजूरी से होना चाहिए। चीन दलाई लामा की उत्तराधिकार प्रक्रिया पर नियंत्रण चाहता है ताकि तिब्बती जनता को अपने ही धार्मिक नेता से अलग किया जा सके। 2007 में चीनी सरकार ने एक “धार्मिक मामलों पर नियंत्रण कानून” लागू किया जिसके अंतर्गत दलाई लामा जैसे धार्मिक नेताओं की नियुक्ति भी राज्य की अनुमति से ही संभव बताई गई। यह न केवल बौद्ध धर्म के सिद्धांतों के विरुद्ध है, बल्कि यह तिब्बती जनता की आस्था और पहचान का गला घोंटने जैसा है। 1959 में जब दलाई लामा को कम्युनिस्ट सरकार के दमन के चलते भारत में शरण लेनी पड़ी थी, तब से हालात बिल्कुल बदल गए हैं- चीन बेहद ताकतवर हो चुका है और तिब्बत कमजोर। इसके बाद भी अगर तिब्बत का मसला जिंदा है, तो वजह हैं दलाई लामा। चीन इसे समझता है और इसी वजह से इस पद पर अपने प्रभाव वाले किसी शख्स को बैठाना चाहता है। चीन की योजना यह है कि जब वर्तमान दलाई लामा का देहांत हो, तो वह अपनी पसंद का एक “दलाई लामा” घोषित करे, जिसे वैश्विक समुदाय भले ही स्वीकार न करे, लेकिन चीन उसकी पहचान को जबरन वैधता प्रदान करे। यह एक “राजनीतिक कठपुतली” खड़ी करने जैसा है, जिससे तिब्बत पर उसका शासन वैचारिक रूप से मजबूत हो सके। लेकिन भारत, जो दलाई लामा और तिब्बती निर्वासित समुदाय का स्वागत करता रहा है, अब उस नाजुक मोड़ पर है जहाँ केवल नैतिक समर्थन पर्याप्त नहीं होगा। चीन की विस्तारवादी नीति और आक्रामक कूटनीति को देखते हुए भारत को अपनी रणनीतिक स्थिति स्पष्ट रूप से प्रस्तुत करनी होगी। चीन ने तिब्बत की पहचान को मिटाने की हर मुमकिन कोशिश कर ली है। दलाई लामा के पद पर दावा ऐसी ही एक और कोशिश है। उसकी वजह से यह मामला धर्म से आगे बढ़कर वैश्विक राजनीति का रूप ले चुका है, जिसका असर भारत और उन तमाम जगहों पर पड़ेगा, जहां तिब्बत के लोगों ने शरण ली है। भारत पर तो चीन लंबे समय से दबाव डालता रहा है कि वह दलाई लामा को उसे सौंप दे। चीन और तिब्बत की लड़ाई भारतीय भूमि पर दशकों से चल रही है और नई दिल्ली-पेइचिंग के बीच तनाव का एक बड़ा कारण बनती रही है। दलाई लामा की घोषणा के अनुसार, उनका उत्तराधिकारी तिब्बत के बाहर का भी हो सकता है- अनुमान है कि भारत में मौजूद अनुयायियों में से कोई एक, तो यह तनाव और बढ़ सकता है। लेकिन, इसमें भारत के लिए मौका भी है। वह चीन पर कूटनीतिक दबाव डाल सकता है, जो पहलगाम जैसी घटना में भी पाकिस्तान के साथ खड़ा रहा और बॉर्डर से लेकर व्यापार तक, हर जगह राह में रोड़े अटकाने में लगा है।

धर्मशाला, जहाँ वर्तमान दलाई लामा रहते हैं, अब विश्व स्तर पर तिब्बती संस्कृति एवं बौद्ध परंपराओं का केंद्र बन गया है। भारत को इस केंद्र को आधिकारिक मान्यता देनी चाहिए और संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर इस धार्मिक स्वतंत्रता के प्रश्न को उठाना चाहिए। अब जबकि दलाई लामा स्वयं कह चुके हैं कि उनके उत्तराधिकारी का चयन भारत में हो सकता है तो भारत सरकार को इस पर एक स्पष्ट नीति बनानी चाहिए कि वह चीन द्वारा घोषित किसी भी नकली दलाई लामा या अनुचित हस्तक्षेप को मान्यता नहीं देगा। भारत को अमेरिका, जापान, यूरोपीय संघ जैसे लोकतांत्रिक देशों के साथ समन्वय स्थापित करके इस विषय पर वैश्विक समर्थन, कूटनीतिक दबाव और अंतरराष्ट्रीय समन्वय तैयार करना चाहिए। अमेरिका भी पहले ही कह चुका है कि दलाई लामा का उत्तराधिकारी केवल तिब्बती परंपराओं के अनुसार चुना जाएगा। अमेरिका में तिब्बती बौद्धों की धार्मिक स्वायत्तता को लेकर डेमोक्रेटिक और रिपब्लिकन पार्टी दोनों ही मुखर रही हैं। इतना ही नहीं अमेरिकी सरकार अगले दलाई लामा के चयन में चीन के दखल को भी अमान्य करार देती आई है। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के संस्थापक माओत्से तुंग की कमान में चीनी सेना लंबे समय तक तिब्बत पर कब्जे की कोशिश में जुटी रही।

देश की स्त्रियों के मूल-भूत अधिकारों पर बड़ा सवाल

संजीव ठाकुर

देश की विशाल जनसंख्या में बहुत बड़े प्रतिशत की भागीदारी रखने वाली राष्ट्र की संवेदनशील माताएं ,बहने अपने मूल तथा सार्थक अधिकार की तलाश में अभी भी संविधान और सरकार की तरफ आस लगाए इंतजार में बैठी हुई है। स्त्रियों का एक बड़ा तबका अभी भी अपनी स्वतंत्रता एवं मौलिक अधिकार से वंचित है। महिलाओं का विकास जितना विशाल आभासी रूप से दिखाया जा रहा है, वास्तविकता एवं धरातल पर स्थिति वैसी नहीं है। महिलाओं के भौतिक रूप से विकास के लिए एक जन अभियान और पृथक समेकित योजना की आवश्यकता देश में होगी तब जाकर महिलाओं के सशक्तिकरण की बात अपनी मूल भावना को प्राप्त कर पाएगा।

भारतीय गणतंत्र में 15वीं राष्ट्रपति के रूप में महामहिम द्रौपदी मुर्मू जी के पदासीन होने के साथ-साथ महिला सशक्तिकरण और आदिवासी महिलाओं के लिए विकास के नए द्वार खुलने की संभावनाएं बलवती हो गई हैं। माननीय राष्ट्रपति को महिलाओं के संघर्ष, जिजीविषा और नैतिक मूल्यों की पोषक होने का पर्याय माना जा रहा है। उनके राष्ट्रपति पदासीन होने के साथ-साथ आदिवासी वर्ग में और खासकर समग्र रूप से महिलाओं में नई ऊर्जा,शक्ति तथा उत्साह का संचार हुआ है। अब भारत देश के क्रमिक विकास में महिलाओं की भागीदारी में निश्चित तौर पर इजाफा होना चाहिए, आदिवासी महिला के सर्वोच्च राष्ट्रपति जैसे गरिमामई पद में चयन होना भारतीय लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत है। वर्तमान में भारत की विशाल जनसंख्या में 45% से 50% भागीदारी महिलाओं की है। महिलाओं को अभी उनके हक का अधिकार एवं भागीदारी सुनिश्चित नहीं हो पा रही है, ऐसे में रक्षा प्रतिरक्षा क्षेत्र में महिलाओं की भर्ती एक अच्छे संकेत के रूप में सामने आ रही है आज के समय में महिलाएं सभी क्षेत्रों में साहस, शौर्य और ऊर्जा का बेहतरीन प्रदर्शन करते आ रही हैं, महिलाएं पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर हर काम में अग्रणी भूमिका निभाने के लिए तैयार है। अब इसमें सशस्त्र बलों यानी डिफेंस सर्विस भी अछूता नहीं रहा सबसे बड़ी बात स्वतंत्र भारत की दूसरी रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण बनी थी इसके पूर्व श्रीमती इंदिरा गांधी प्रथम रक्षा मंत्री रही थी अब कोई भी क्षेत्र ऐसा अछूता नहीं रहा जहां महिलाओं ने अपनी सशक्त दस्तक ई पहचान ना कराई हो, यह तो पूर्व से ही कहा गया है यदि आप एक पुरुष को शिक्षित करते हैं तो सिर्फ एक पुरुष शिक्षक होता है किंतु यदि आप किसी महिला को सर्वांगीण शिक्षा देते हैं तो आने वाली संपूर्ण पीढ़ी को शिक्षित कर रहे हैं ।नारी शक्ति को अब ज्यादा दिनों तक देश की प्रगति विकास के योगदान से परे नहीं रखा जा सकता है परिवार की धुरी महिलाएं होती है परिवार से घर बनता है धर से समाज और समाज और संपूर्ण समाज से एक सशक्त राष्ट्र की बुनियाद रखी जाती है। इस तरह देश की बुनियाद ही स्त्री सशक्तिकरण है महिलाएं अच्छी तरह समझती हैं कि घर से लेकर देश की सीमा तक उन्हें व्यवहार कर देश के विकास और उसकी रक्षा में उन्हें किस तरह योगदान देना है। महिलाओं के बिना देश की प्रगति एवं विकास की कल्पना सर्वथा बेमानी है सशक्त माताएं सशक्त राष्ट्र का निर्माण करती हैं और सीमा रक्षा बलों में महिलाओं की भागीदारी इसका एक बड़ा उदाहरण और प्रतिफल है इन उदाहरणों में से प्रथम लेफ्टिनेंट सुनीता अरोड़ा ,प्रथम एयर मार्शल पद्मावती बंदोपाध्याय ,कैप्टन मिताली मधुमिता ,भारत में आए अमेरिकी राष्ट्रपति को गार्ड ऑफ ऑनर देने वाली प्रथम विंग कमांडर पूजा ठाकुर ऐसे अधिकारियों के नाम है ।

कॉर्पियो मोनो पैनल से टकराई

5 लोग घायल, गैस कटर से काटकर एक को निकाला, सभी जिला अस्पताल रेफर

भारत संवाद

प्रयागराज , फूलपुर में पीएनबी बैंक के सामने एक स्कॉर्पियो मोनो पैनल से टकरा गई। हादसे में गाड़ी में सवार पांच लोग घायल हो गए। घटना बीती रात की है। सराय इनायत थाना क्षेत्र के पांच लोग राधे पैलेस लोचन गंज से निमंत्रण कार्यक्रम से लौट रहे थे। फूलपुर थाना क्षेत्र के पीएनबी बैंक के पास गाड़ी अनियंत्रित होकर मोनो पैनल से टकरा गई। हादसे की आवाज सुनकर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे। पुलिस को सूचना दी गई और 108 एंबुलेंस को बुलाया गया। स्थानीय लोगों ने चार लोगों को बाहर निकाला। एक व्यक्ति गाड़ी में फंसा हुआ था। पुलिस और स्थानीय लोगों ने गैस कटर की मदद से उसे निकाला। सभी घायलों को पहले फूलपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। वहां से डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। दुर्घटना में स्कॉर्पियो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। पुलिस ने जेसीबी की मदद से क्षतिग्रस्त गाड़ी को हटवाया। घटना के कारण कई घंटों तक जाम की स्थिति बनी रही। स्थानीय लोगों का कहना है कि कस्बे में डिवाइडर का निर्माण पूरा न होने के कारण अक्सर दुर्घटनाएं होती हैं। पुलिस घायलों की पहचान अभी नहीं कर पाई है।

पत्नी का वीडियो कॉल उठाते ही, मौत

सीसीटीवी में दिखा हादसे का भयावह मंजर,मरने वाला कॉलेज प्रबंधक का बेटा

भारत संवाद

प्रयागराज, सरायइनायत थाना क्षेत्र के हबूसा मोड़ पर हुए हादसे का सीसीटीवी वीडियो सामने आया है। हादसे में एक्सयूवी कार की भीषण टक्कर को साफ देखा जा सकता है। इस हादसे में कार ड्राइवर सहित ट्रैक्टर सवार बच्चे की मौत हो गई जबकि ट्रैक्टर ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गया था।जिसका इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है। झूंसी के अंदावा गांव निवासी मनोज सिंह शारदा दीन लॉ कॉलेज के प्रबंधक हैं। उनके तीन पुत्रों में दूसरा आशीष कुमार सिंह (35) भी कॉलेज में स्टाफ था। रात में आशीष घर का सामान लेने हनुमानगंज बाजार जा रहा था। हाबूसा मोड़ के पास पहुंचते ही अचानक पत्नी साक्षी का वीडियो काल आ गया। आशीष ने बिना सामने देखे काल रिसीव कर लिया। 120 की स्पीड से

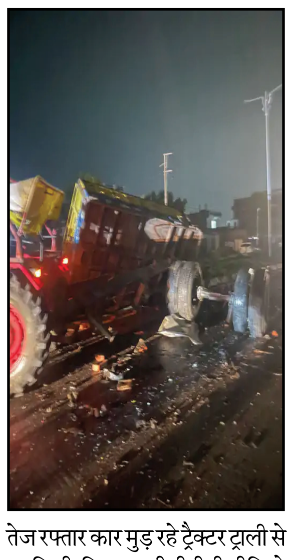

तेज रफ्तार कार मुड़ रहे ट्रैक्टर ट्राली से जा भिड़ी।जिसका सीसीटीवी वीडियो शनिवार को सामने आया है। वीडियो में कार तेज रफ्तार से ट्रैक्टर ट्राली से टकराती दिख रही है।टक्कर लगते ही कार सड़क पर राउंड कर गई।जिससे

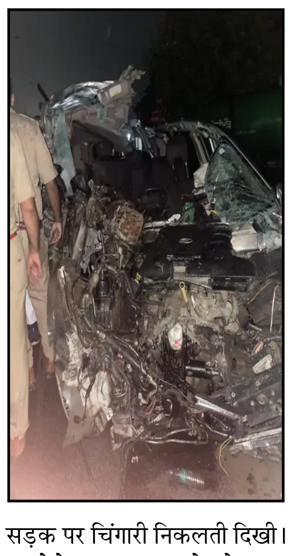

सड़क पर चिंगारी निकलती दिखी। हादसे के बाद आस पास के लोग कार के पास पहुंचे जहां ड्राइविंग सीट पर बैठे शख्स का सिर बुरी तरह फट गया था।स्थानीय लोगों के मुताबिक कार के ड्राइवर सीट का एयर बैग नहीं खुला था,जबकि बगल वाली सीट का एयर बैग खुला था।इस हादसे में ट्रैक्टर पर बैठे 11साल का सुमित पुत्र राम कैलाश की भी मौत हो गई थी।चचेरे भाई राहुल ने बताया कि आठ दिन पहले आशीष के चाचा की मौत हुई थी।और वह उन्हीं की मिट्टी में आया था। उस रात वह घर से निकला तो कुछ दूर जाने के बाद अपनी पत्नी को वीडियो काल किया और उससे बात करता हुआ कार चला रहा था।अचानक धड़ाम की आवाज आई,उसके बाद सब ब्लैक हो गया।थोड़ी देर बाद हमें दुर्घटना की सूचना मिली तो सब चिल्लाते हुए इधर उधर भागने लगे।दिसम्बर 2022 में आशीष का लव मैरिज रायबरेली की रहने वाली साक्षी से हुआ था। जिनका दो साल का बेटा भी है।शादी के बाद से वह पत्नी के साथ ससुराल में ही रहता था।कालेज के काम से अक्सर प्रयागराज आया करता था।

फास्ट ट्रैक

उत्तर प्रदेश विधान सभा की पंचायतीराज समिति के प्रथम उप समिति के अध्ययन दल की बैठक 8 जुलाई को

भारत संवाद

उत्तर प्रदेश विधान सभा की पंचायतीराज समिति के प्रथम उप समिति के अध्ययन दल के द्वारा दिनांक 08 जुलाई, 2025 को अपरान्ह 01:00 बजे सर्किट हाउस के सभागार में प्रयागराज मण्डल के जनपद प्रयागराज व कौशाम्बी के अधिकारियों के साथ वर्ष 2021 से 31 मार्च, 2025 तक जिलों की समस्त ग्राम-पंचायतों, जिला-पंचायतों व क्षेत्र पंचायतो के कार्यों की वर्षवार समीक्षा की जाएगी। साथ ही स्थलीय निरीक्षण भी किया जाना प्रस्तावित है।

उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विशेषाधिकार समितिकी बैठक 09 जुलाई को

डॉ0 महेन्द्र कुमार सिंह सभापति, समिति के सभापतित्व में दिनांक 09 जुलाई, 2025 को प्रयागराज मण्डल के जनपद-प्रयागराज, कौशाम्बी, फतेहपुर व प्रतापगढ़ के अधिकारियों के साथ उत्तर प्रदेश विधान परिषद की विशेषाधिकार समितिकी बैठक आयोजित की गयी है।

थाना जिगना पुलिस द्वारा महिला के साथ दुष्कर्म करने व धमकी देने के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

थाना जिगना, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 04.07.2025 को महिला द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादिनी/पीड़िता को नशीला पदार्थ सुघाकर दुष्कर्म करने व धमकी देने के सम्बन्ध लिखित तहरीर दी गई ।उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना जिगना पर मु0अ0सं0-202/2025 धारा 64,351(3),352 बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा उक्त घटना को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्राधिकारी लालगंज के नेतृत्व में अभियुक्त की यथाशीघ्र गिरफ्तारी हेतु प्रभारी निरीक्षक थाना जिगना को निर्देश दिए गए ।उक्त निर्देश के अनुक्रम में थाना जिगना पर पंजीकृत उपरोक्त अभियोग में पतारसी-सुरागरसी एवं अग्रिम विवेचनात्मक कार्यवाही के क्रम में आज दिनांकः 05.07.2025 को उप निरीक्षक चन्द्रशेखर प्रसाद मय पुलिस टीम द्वारा प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर थाना जिगना क्षेत्रान्तर्गत फुलवारी मोड़ पुलिया के पास से मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित नामजद अभियुक्त अत्युतानन्द पाण्डेय उर्फ बबलु पुत्र स्व0 राधेश्याम पाण्डेय निवासी ग्राम गौरा भिलगौर थाना जिगना जनपद मीरजापुर को अंतर्गत धारा 64,351(3),352 बीएनएस में गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही करते हुए मा0न्यायालय/जेल भेजा गया ।

थाना मड़िहान पुलिस द्वारा 05 नफर वारण्टी गिरफ्तार

सोमेन बर्मा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद मीरजापुर द्वारा जनपद में अपराध की रोकथाम एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना मड़िहान पुलिस द्वारा 05 नफर वारण्टी को गिरफ्तार किया गया ।आज दिनांकः 05.07.2025 को उप निरीक्षक रामआशीष यादव मय पुलिस टीम द्वारा 05 नफर वारण्टी 1. लल्लन शर्मा पुत्र तुलसी राम, 2. बंशीलाल शर्मा पुत्र तुलसी, 3. रामजी यादव पुत्र राम सागर, 4. दशरथ गुप्ता पुत्र मगंरू गुप्ता व 5. सत्य नारायण कोल पुत्र रामदास समस्त निवासीगण ग्राम रामपुर थाना मड़िहान जनपद मीरजापुर को उनके घर से गिरफ्तार कर मा0न्यायालय में प्रस्तुत किया गया ।

थाना लालगंज पुलिस द्वारा नाबालिक के साथ दुष्कर्म के अभियोग से सम्बन्धित अभियुक्त गिरफ्तार

थाना लालगंज, जनपद मीरजापुर पर दिनांकः 01.07.2025 को एक महिला द्वारा नामजद अभियुक्त के विरूद्ध वादी की नाबालिक पुत्री को बहला-फुसला के शादी का झासा देकर दुष्कर्म करने के सम्बन्ध लिखित तहरीर दी गई ।उक्त के सम्बन्ध में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना लालगंज पर मु0अ0सं0-251/2025 धारा 69 बीएनएस पंजीकृत कर विवेचना प्रारम्भ की गई ।

पीपल, बरगद, नीम अवशोषित करते है, ज्यादा कार्बन डाई आक्साइड-डा0 अनीता तोमर

विश्व युवक केन्द्र ने चलाया पूरे देश को प्लास्टिक मुक्त भारत अभियान

भारत संवाद

प्रयागराज।पीपल, बरगद तथा नीम सबसे ज्यादा कार्बन डाई आक्साइड को अवशोषित करते है। उन्होंने वृक्ष विहिन पृथ्वी की कल्पना करके, जीवन के यथार्थ परिकल्पना का एहसास कराया।हरे-भरे वातावरण से निःशुल्क आक्सीजन प्राप्त होता है। नगरों में, गमलो में भी पौधा रोपण करके प्रकृति को हरा-भरा बनाया जा सकता है। यह विचार डा० अनीता तोमर, वैज्ञानिक पारि-पुर्नस्थापन केन्द्र प्रयागराज ने विश्व युवक केन्द्र, वसेरा तथा विकास विद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में विकास विद्यालय में आयोजित विश्व पर्यावरण दिवस 2025 अभियान में समायन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि अभी महाकुम्भआयोजन के समय मेले से प्लास्टिक के ज्यादा कूड़े निकाले गये।

प्लास्टिक मुक्त समाज के निर्माण में सभी का योगदान होना चाहिए। लोग बाजार में जाने से पहले कपड़े अथवा जूट के बैग को लेकर जाये तथा दुकानदार से पालीथीन के बैग में सामान नहीं देने को कहे। एक-एक के जुड़ने से प्लास्टिक मुक्त प्रयागराज अभियान सफल बनाया जा सकता है। इस अवसर पर विभिन्न विद्यालयों में आयोजित प्लास्टिक हटाओ, पर्यावरण बचाओ विषयक निबन्ध चित्रकला, भाषण प्रतियोगिता के सफल छात्रों को मुख्य अतिथि डा० तोमर ने प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इन्होंने पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में योगदान के लिए डा० योगेश चन्द्र, दिलीप कुमार अवस्थी, प्रतिभा सिंह, सत्य प्रकाश तिवारी, राजेन्द्र तिवारी दुकान जी, प्रसन्न घोष, वेदानन्द वेद आलम भाई, राजेन्द्र तिवारी, उमाशंकर गुप्ता, अब्बास, सबीना, पवनेश उपाध्याय आदि को पर्यावरण प्रहरी सम्मान 2025 प्रदान किया।सर्व प्रथम वसेरा के सचिव देवेन्द्र कुमार शर्मा ने बताया कि विश्व युवक केन्द्र तथा वसेरा द्वारा 5 जून से 5 जुलाई तक विश्व पर्यावरण दिवस 2025 अभियान चलाकर जनपद प्रयागराज के विभिन्न विद्यालयों तथा गावों में वृक्षारोपण तथा प्लास्टिक मुक्त प्रयागराज जागरूकता अभियान चलाया गया।विद्यालय के प्रधानाचार्य सत्य प्रकाश तिवारी ने सभी का स्वागत किया। विद्यालय परिसर में 151 औषधिय पौधे लगाये गये।

सफाई कर्मियों का प्रर्दशन

बोले- महाकुंभ के 10-10 हजार नहीं मिले, बारिश में रेनकोट दिया जाए; सीएम की घोषणा के हिसाब से मानदेय मिले

भारत संवाद

प्रयागराज, नगर निगम में अपनी कई मांगों को लेकर सफाई कर्मियों ने जमकर प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में सफाईकर्मी मौजूद रहे। निगम के सफाई कर्मियों के साथ ही महाकुंभ में काम करने वाले सफाई कर्मी भी शामिल रहे। प्रदर्शन के दौरान कर्मचारियों ने जमकर नारेबाजी की। कहा कि जब तक हमारी मांगे नहीं पूरी होंगी, आंदोलन जारी रहेगा। सफाई कर्मियों ने कहा- महाकुंभ के समाप्ति के बाद मुख्यमंत्री ने मेले में काम करने वाले सफाई कर्मियों को 10-10 हजार रुपए देने की घोषणा की थी। इसका भुगतान अभी तक नहीं हो सका। सफाई कर्मियों की सफाई नायक के पद पर पदोन्नति की जाए। सीएम की घोषणा के अनुसार मानदेय 16 हजार रुपए प्रतिमाह किया जाए। मृत जानवर उठाने के लिए हर वार्ड में वाहन दिए जाएं। मृत पशुओं को फेंकने के लिए जगह तय की जाए। बारिश को देखते हुए रेनकोट दें। निगम के आउट सोर्सिंग कर्मचारियों का वेतन बढ़ाने समेत अन्य मांगे रखी। सफाई कर्मचारियों की भारी संख्या देखते हुए नगर आयुक्त सीलम साईं तेजा ने उनको बात करने के लिए बुलाया। उन्होंने सफाई कर्मियों को बताया कि महाकुंभ की मिलने वाली धनराशि मेला प्राधिकरण के खाते में आ गई है। जल्द ही उसका भुगतान होगा। अन्य मांगों के लिए उन्होंने समय मांगा है। नगर आयुक्त के आश्वासन के बाद भी सफाई कर्मी शाम तक नगर निगम में डटे रहे। उनका कहना था कि जब तक उनकी मांगे पूरी नहीं होगी। वह डटे रहेंगे। इसके बाद शाम चार बजे मेयर गणेश केसरवानी ने सफाई कर्मियों से मिलकर उनसे बात की। इसके बाद मामला शांत हो सका।

महाकुंभ मेले में काम करने वाले कर्मियों को जल्द मिलेगा 10 हजार बोनस, नियुक्ति में भी मिलेगी प्राथमिकता

भारत संवाद

- नगर निगम मुख्यालय में सफाई कर्मियों की मांगों पर सफाई यूनियनों के साथ हुआ विचार-विमर्श
- आउटसोर्स कर्मियों की वेतन बढ़ोतरी, प्रमोशन समेत कई मुद्दों पर हुई बैठक

प्रयागराज। आज शनिवार अपराह्न 12:30 बजे नगर निगम मुख्यालय में नगर आयुक्त महोदय श्री साईं तेजा की अध्यक्षता में सफाई कर्मियों की विभिन्न मांगों को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सफाई मजदूर यूनियन के श्री प्रदीप और उनके पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। इसके बाद दोपहर 1:30 बजे सफाई मजदूर एकता मंच के अध्यक्ष बलराम पटेल, एटक के प्रतिनिधि श्री विशंभर पटेल सहित अन्य प्रतिनिधियों के साथ भी विस्तृत चर्चा हुई।

बैठक में मुख्य रूप से निम्नलिखित बिंदुओं पर सहमति बनी:

1. वेतन बढ़ोतरीः आउटसोर्स कर्मचारियों के न्यूनतम वेतन बढ़ोतरी के संबंध में शासन से प्राप्त निर्देश के अनुसार नगर निगम शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करेगा।
2. बोनस भुगतानः महाकुंभ मेले में कार्य करने वाले सफाई कर्मियों को ?10,000 का बोनस प्रदान करने की प्रक्रिया प्रगति पर है और इसे शीघ्र पूर्ण किया जाएगा।
3. प्रमोशन प्रक्रियाः सफाई नायक के पद पर पदोन्नति की कार्यवाही जारी है, जिसे जल्द ही पूर्ण किया जाएगा। साथ ही, यथासंभव इन पदों पर आउटसोर्स कर्मियों की नई भर्ती नहीं की जाएगी।
4. नियुक्ति में प्राथमिकताः संविदा/आउटसोर्स कर्मचारियों की मृत्यु की स्थिति में उनके आश्रितों को आउटसोर्सिंग में प्राथमिकता दी जाएगी।
5. मेला कर्मियों की नियुक्तिः मेला कार्य का अनुभव रखने वाले कर्मियों को पद रिक्त होने पर प्राथमिकता के आधार पर नियुक्त करने की संस्तुति की जाएगी।

उक्त बिंदुओं पर अगली वार्ता 15 जुलाई 2025 को पुनः किए जाने पर सहमति हुई है। संगठनों के साथ वार्ता सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई तथा सभी संगठनों द्वारा पूर्ण मनोयोग से स्वच्छता का संकल्प लिया गया। जिससे प्रयागराजवासियों को किसी असुविधा का सामना नहीं करना पड़े। बैठक में अपर नगर आयुक्त श्री दीपेंद्र यादव, एनएसए डॉ. महेश, कार्यालय अधीक्षिका श्रीमती अनुपमा श्रीवास्तव सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

करारी थाना परिसर में खड़ा संदिग्ध जिप्सी वाहन, फळड में पंजीकरण नहीं; 35 साल पुराना टू-व्हीलर नंबर लगाने का बड़ा खुलासा ..

भारत संवाद

प्रयागराज/ कौशांबी। करारी थाना परिसर में खड़ा संदिग्ध जिप्सी वाहन (UP70A 0846) इन दिनों पूरे जनपद में चर्चा और संदेह का विषय बना हुआ है। परिवहन विभाग की ऑनलाइन और ऑफलाइन जांच में पाया गया कि यह वाहन देश के किसी भी आरटीओ में पंजीकृत नहीं है। सबसे चौंकाने वाली जानकारी यह सामने आई है कि सूत्रों के अनुसार यह नंबर लगभग 35 साल पुराना किसी टू-व्हीलर (मोटरसाइकिल या स्कूटर) का नंबर प्रतीत होता है, जिसका स्पष्ट रिकॉर्ड प्रयागराज के आरटीओ से भी अब उपलब्ध नहीं है। सवाल उठता है कि

अगर यह नंबर पुराने टू-व्हीलर का था तो इसे इतने वर्षों से एक चार पहिया जिप्सी वाहन पर कैसे उपयोग किया जा रहा है? स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि यह जिप्सी वाहन करारी थाने के प्रभारी विनीत सिंह के निजी उपयोग में है। वे वर्षों से इस वाहन का उपयोग कर रहे हैं, लेकिन हैरानी की बात यह है कि अब तक इस संदिग्ध वाहन के खिलाफ

कोई भी विभागीय या कानूनी कार्रवाई क्यों नहीं की गई, यह बड़ा सवाल बन गया है। पुलिस विभाग में उच्च अधिकारियों की जानकारी के बावजूद इस लापरवाही से प्रशासनिक कार्यशैली भी कटघरे में आ गई है। फिलहाल कौशांबी जनपद में पूर्व कप्तान रहे बृजेश श्रीवास्तव का पूरा आशीर्वाद इनके साथ था यहां वजह रही कि इनको मनमानी करने और कानून से खिलवाड़ करने की पूरी आजादी मिली थी ।

BNS की धारा 318 और 336 के तहत गंभीर अपराध, जांच और कार्रवाई की मांग तेज

इस मामले में भारतीय न्याय संहिता (BNS) 2023 की धारा 318 और 336 सीधे तौर पर लागू होती हैं। धारा 318 के तहत फर्जी दस्तावेज या गलत जानकारी का प्रयोग करने पर 3 से 7 साल तक की सजा का प्रावधान है, जबकि धारा 336 के तहत लोक सेवक द्वारा पद का दुरुपयोग कर अवैध कार्यों में संलिप्तता के लिए सख्त सजा और सेवा से निलंबन का प्रावधान है। इसके अलावा, मोटर वाहन अधिनियम 1988 की धारा 39 और 192 के तहत बिना पंजीकरण के वाहन चलाना गैरकानूनी है। वाहन को तत्काल जब्त कर कार्रवाई होनी चाहिए। स्थानीय लोगों ने पुलिस अधीक्षक (SP), जिलाधिकारी (DM), आरटीओ और लोकायुक्त से स्वतः संज्ञान लेकर जांच और थाना प्रभारी के खिलाफ निष्पक्ष कार्रवाई की मांग की है। साथ ही यह भी खुलासा हुआ है कि थाना स्तर पर वसूली और फर्जी मुकदमेबाजी के लिए दो कथित पत्रकारों का नेटवर्क सक्रिय है, जो इस पूरे मामले में दलाली की भूमिका निभा रहे हैं।जनता सवाल कर रही है कि थाना प्रभारी विनीत सिंह 35 साल पुराने नंबर के सहारे अब तक कैसे वाहन चला रहे हैं और यह अनदेखी क्यों हो रही है ?

प्रसिद्ध भक्ति गायक हंसराज रघुवंशी जी और उनकी जीवनसंगिनी श्रीमती कोमल रघुवंशी जी ने परमार्थ निकेतन में ऋषिकुमारों को भंडारा कराया

स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी से आशीर्वाद लेकर श्री हंसराज रघुवंशी जी और श्रीमती कोमल रघुवंशी जी ने परमार्थ निकेतन से विदा ली

भारत संवाद

- परमार्थ निकेतन की यात्रा सेवा, भक्ति और अध्यात्म से परिपूर्ण दिव्य क्षण : गायक हंसराज रघुवंशी

ऋषिकेश। प्रसिद्ध भक्ति गायक हंसराज रघुवंशी जी और उनकी जीवनसंगिनी श्रीमती कोमल रघुवंशी जी ने परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश में तीन दिवसीय आध्यात्मिक प्रवास किया। इस प्रवास के दौरान उन्होंने परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष, स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी के पावन सान्निध्य में साधना, सेवा और संस्कारों से ओतप्रोत अनमोल पल बिताए। तीनों दिनों तक परमार्थ निकेतन के पवित्र वातावरण में ऋषियों की परंपरा, गंगा की अविरल धारा और हिमालय की गोद में बसे इस तीर्थस्थल का आनंद लेते हुए श्री हंसराज जी ने आत्मिक शांति प्राप्त की और भक्ति के नए अर्थों की अनुभूति की। अपने प्रवास के अंतिम दिन श्री हंसराज रघुवंशी जी एवं श्रीमती कोमल रघुवंशी जी ने स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी के पावन सान्निध्य में संतों एवं ऋषिकुमारों को प्रेमपूर्वक भोजन कराया। इस सेवा कार्य के दौरान उन्होंने प्रेम, श्रद्धा और विनम्रता के साथ भारतीय संस्कृति की उस परंपरा को भी जीवंत किया जिसमें अतिथि, संत और ब्रह्मचारी परम पूजनीय होते हैं। भंडारा सेवा के उपरांत उन्होंने स्वामी जी से आशीर्वाद प्राप्त कर विदा ली और अपनी इस यात्रा को जीवन की सबसे आत्मिक और प्रेरणादायक यात्राओं में से एक बताया।स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी ने कहा कि श्री हंसराज रघुवंशी जी भक्ति गीतों को गाते ही नहीं, जीवन की हर साँस में जीते भी हैं। जब संगीत सेवा बन

जाए, जब स्वर समाधान बन जाए और जब गायन से जनजागरण हो तो समाज में अद्भुत परिवर्तन देखने को मिलता है। स्वामी जी ने हंसराज जी की गायन शैली, उनकी विनम्रता और भक्ति के प्रति समर्पण की प्रशंसा करते हुए उन्हें युवाओं के लिए एक संगीतमय सन्देशवाहक कहा जो अपने गीतों के माध्यम से समाज में सकारात्मकता और सनातन मूल्यों को जाग्रत कर रहे हैं। स्वामी जी ने कहा कि हंसराज जी जैसे युवा कलाकार जब अध्यात्म से जुड़ते हैं, तब संगीत साधना बनता है और साधना समाज का कल्याण करती है। उनका यह प्रवास युवाओं के लिए यह संदेश है कि भक्ति, जीवन को केवल संवारती नहीं, संपूर्ण रूप से निखारती है। श्री हंसराज जी ने परमार्थ निकेतन की विश्वप्रसिद्ध गंगा आरती में भी सहभाग किया। गंगा जी की आरती के दिव्य स्वर, मंत्रों की पवित्र गूंज और सैकड़ों श्रद्धालुओं के साथ बहती भक्ति की धारा ने उन्हें भावविभोर कर दिया। श्री हंसराज रघुवंशी जी ने कहा कि मैं धन्य हूं कि मुझे आज इस पावन भूमि पर, पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी महाराज के चरणों में उपस्थित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यह स्थान केवल तीर्थ नहीं, आत्मा की शांति का केंद्र है। यहाँ आकर मुझे यह अनुभूति हुई कि असली संगीत वही है जो आत्मा को छू जाए, और असली प्रसिद्धि वही है जो सेवा में लगे। परमार्थ निकेतन में बिताया हर क्षण मेरे लिए अमूल्य है। स्वामी जी ने श्री हंसराज रघुवंशी जी को हिमालय की हरित भेंट रूद्राक्ष का पौधा भेंट किया।

शासन के मंशानुरूप जनपद के सभी तहसीलों में आयोजित किया गया सम्पूर्ण समाधान दिवस

मण्डलायुक्त, पुलिस महानिरीक्षक ने तहसील मड़िहान व जिलाधिकारी, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने तहसील लालगंज में आए हुए फरियादियों की सुनी जनसमस्याएं

भारत संवाद

- कार्यो में लापरवाही बरतने पर जिलाधिकारी ने एक लेखपाल को निलम्बित तथा एक कानून गो को प्रतिकूल प्रविष्टि देने का दिया दिया निर्देश

मीरजापुर ,- शासन के निर्देश के क्रम में जनपद के सभी तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। तहसील मड़िहान में मण्डलायुक्त विन्ध्याचल मण्डल बालकृष्ण त्रिपाठी, पुलिस महानिरीक्षक आर0 पी0 सिंह एवं तहसील लालंगज में जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन, वष्ठि पुलिस अधीक्षक सोमेन बर्मा, मुख्य विकास अधिकारी विशाल कुमार ने आए हुए फरियादिओं की समस्याओं को सुना गया। तहसील मड़िहान में मण्डलायुक्त के समक्ष प्राप्त 71 प्रार्थना पत्रो में मौके पर 10 का निस्तारण करते हुए शेष प्रार्थना पत्रो को सम्बन्धित अधिकारियों प्रेषित करते हुए निर्देशित किया गया कि प्रार्थना पत्रो का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाए। उन्होंने कहा कि शिकायती प्रार्थना पत्रो की गुणवत्ता का फीडबैक शासन द्वारा फरियादियों से वार्ता करलिया जाता है अतएव अधिकारी शिकायतो के निस्तारण से पूर्व मौके पर जाते हुए दोनो पक्षों की उपस्थिति में उनकी बातो को सुनते हुए गुणवत्तापूर्ण, संतुष्टिपरक निस्तारण करें। उन्होंने कहा कि यदि गुणवत्ता खराब पाई जाती है तो सम्बन्धित विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही की जाएगी। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 अजय कुमार सिंह, उप जिलाधिकारी मड़िहान अविनाश कुमार उपस्थित रहें। तहसील लालगंज में जिलाधिकारी के समक्ष प्राप्त 163 प्रार्थना पत्रो में मौके पर 09 का निस्तारण शेष प्रार्थना पत्रो को सम्बन्धित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने हेतु प्रेषित किया। जिलाधिकारी ने वन विभाग की 02, चकबन्दी की 04 तथा विकास विभाग एक टीम गठित कुल 07 टीमो का गठन करते हुए निर्देशित किया कि मौके जाकर प्रार्थना पत्रो का गुणवत्तापूर्ण, संतुष्टिपरक निस्तारण करते हुए आख्या उपलब्ध कराएं। जिलाधिकारी ने कार्यो में लापरवाही बरतने पर लेखपाल परमानन्द ग्राम भेड़ा को निलम्बित तथा कानून गो रामअवध को प्रतिकूल प्रविष्टि देते हुए सेवा पुस्तिका में अंकन करने के साथ ही जिला मुख्यालय आई0 जी0आर0एस0 कार्यालय सम्बद्ध करने का निर्देश दिया।

भारतीय किसान यूनियन (भानू)के युवा जिलाध्यक्ष व राजपूत करणी सेना के जिलाध्यक्ष ने संयुक्त रूप से किया शुभारम्भ

भारत संवाद

अलीगढ़। लोधा क्षेत्र के दिल्ली - कानपुर हाईवे स्थिति खेरेशवर पर प्रधान एंड फैमिली ढाबा का शुभारंभ भारतीय किसान यूनियन (भानु) के युवा जिलाध्यक्ष अलीगढ़ कृष्णा ठाकुर एवं श्री राजपूत करणी सेना के जिला अध्यक्ष सुमित ठाकुर , समाजसेवी राजा प्रधान गवार्रा ने संयुक्त रूप से फीता काट कर किया , सभी ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया होटल के संचालक अतुल ठाकुर मढ़की ने बताया कि प्रधान होटल एंड फैमिली ढाबा ग्राहको को उच्च क्वालिटी का स्वादिष्ट भोजन उपलब्ध कराने के साथ उचित रेट भी ग्राहकों को देगा होटल पर उचित रेट मे एसी एव नान एसी पर कमरें उपलब्ध होंगे । इस दौरान, मंडल अध्यक्ष अलीगढ़ श्री राजपूत करणी सेना देवू ठाकुर, करन ठाकुर बसगोई जिला अध्यक्ष श्री राजपूत करणी सेना, शरद ठाकुर, रजत ठाकुर, नीशू ठाकुर, हिमांशु पंडित, विशाल ठाकुर, सुमित भाटी, अभिषेक ठाकुर, भोला, सचिन ठाकुर, शालू ठाकुर, हरीश, गौरव , आदि मौजूद रहे ।

मोहर्रम की व्यवस्थाओं का नगर आयुक्त ने कर्बला पहुँचकर लिया जायजा-चाक चौबंद इन्तिजाम का नगर आयुक्त का वादा

मोहर्रम पर ताजियों के जुलूस के मार्ग के गड्ढो को भरने का काम हुआ तेज-जलनिकासी के लिए तैनात हुए मोबाइल 04 पंप सेट व 03 सकिंग मशीनें

भारत संवाद

ताजियों को सुपुर्दे खाक किए जाने के लिए नगर निगम ने कर्बला में खुदवाया गड्ढा- बेहतर इंतजामों के साथ निकलेंगे ताजियों के जुलूस

मोहर्रम पर निकलने वाले ताजियों के जुलूस के मार्ग पर नगर निगम संबंधी व्यवस्थाओ का नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा ने शाम को अधीनस्थों के साथ कर्बला पहुँचकर जायजा लिया।

नगर आयुक्त का वादा

नगर आयुक्त ने कर्बला समिति व स्थानीय पार्षद को पूर्ण आश्वस्त करते हुए कहा परंपरागत व्यवस्थाओं को नगर निगम बेहतर तरीके से करने के लिए पूर्ण रूप से प्रयासरत है जुलूस के मार्ग पर जहां-जहां गड्ढे सड़क पर बारिश की वजह से हो गए थे उनकी मरम्मत कर दी गई है और प्रयास किया जाएगा सुगम यातायात और बेहतर व्यवस्थाओं के साथ कल मोहर्रम का जुलूस निकले।

कर्बला पर होंगे ये इंतिजाम

नगर आयुक्त ने बताया कर्बला समिति और स्थानीय पार्षद की मौजूदगी में कर्बला में ताजियों को सुपुर्द खाक किए जाने के दृष्टिगत गड्ढा खुदवा दिया गया है इसके साथ-साथ ताजियों के जुलूस के साथ आगे और पीछे नगर निगम की पांच-पांच टीम सेक्टर प्रभारी के नेतृत्व में चलेगी।उमस भरी गर्मी से निजात दिलाने के लिए जुलूस के साथ एंटी स्मोकगन को भी वॉटर स्प्रिंकलर के लिए लगाया गया है इसके साथ-साथ जुलूस के आगे पानी की छिड़काव के लिए तीन पानी के टैंकर और जुलूस के आगे कचरा उठाने के लिए 8 टाटा टेंपो लगाए गए हैं।

जलनिकासी के लिए इंतिजाम

उन्होंने बताया बारिश की संभावना को देखते हुए ईदगाह कर्बला क्षेत्र में महाप्रबंधक जल वीके सिंह के नेतृत्व में 04 मोबाइल पंप सेट और 03 सकिंग मशीनों को भी तैनात किया गया है

नगर आयुक्त का बयान

नगर आयुक्त ने कहा मोहर्रम पर निकलने वाले ताजियों के जुलूस को सकुशल और व्यवस्थित तरीके से बेहतर इंतजामों के साथ संपन्न करने के लिए नगर निगम पूर्ण रूप से प्रयासरत है नगर निगम के अधिकारी और कर्मचारी पूरी शिद्दत के साथ मोहर्रम के जुलूस पर तैनात रहेंगे।

ये रहे मौजूद

निरीक्षण में स्थानीय पार्षद मुशर्रफ हुसैन अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव मुख्य अभियंता सुरेश चंद महाप्रबंधक जल पीके सिंह सहायक अभियंता राजवीर सिंह पुष्पेंद्र सिंह स्टोनो देश दीपक मीडिया सहायक एहसान रब आदि मौजूद थे।

फास्ट ट्रैक

कंपोजिट विद्यालय में डॉ.आर.ए.तिवारी फाउंडेशन द्वारा निःशुल्क नोटबुक वितरण

भारत संवाद /आदेश मिश्र

जौनपुर, सामाजिक, साहित्यिक, सांस्कृतिक ट्रस्ट डॉ.आर.ए तिवारी फाउंडेशन (पंजीकृत) द्वारा जनपद जौनपुर के बरसठी ब्लाक में स्थित विजयगिर-पोखरा ग्राम सभा के पोखरा गांव में राज्य सरकार द्वारा संचालित कंपोजिट विद्यालय के सभी विद्यार्थियों को निःशुल्क नोट बुक वितरित की गई। ट्रस्ट से जुड़े वरिष्ठ समाजसेवी लक्ष्मीनारायण (फलई) तिवारी के मुख्य संयोजन एवं वरिष्ठ समाजसेवी अरविंद तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ समाजसेवी, राजनेता कैलाशनाथ दुबे थे। विजयगिर-पोखरा ग्राम सभा के प्रधान अच्छेलाल विश्वकर्मा और समाजसेवी रामयज्ञ तिवारी के आलावा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।विद्यालय के मुख्याध्यापक राजकमल राव ने सभी अतिथियों का स्वागत और विद्यालय के अध्यापक गणेश प्रसाद यादव ने संचालन और आभार व्यक्त किया ट्रस्ट के चेयरमैन और मैनेजिंग ट्रस्टी डॉ.राधेश्याम तिवारी ने विद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों को हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की है।

विकासखंड इगलास में प्रशिक्षण वर्ग हुआ संपन्न

भारत संवाद / योगेश शर्मा

आज दिनांक 5 जुलाई दिन शनिवार को विकासखंड इगलास अलीगढ़ में प्रशिक्षण वर्ग गोवर्धन गेस्ट हाउस में संपन्न हुआ जिसकी अध्यक्षता प्रांत उपाध्यक्ष चौधरी गुरवीर सिंह ने की संचालन जिला मंत्री दिनेश पचौरी ने किया इस मौके पर ब्रज प्रांत मंत्री धर्मेंद्र चौधरी और ब्रज प्रांत मंत्री भगवती प्रसाद शर्मा जिला प्रमुख नीरज शर्मा मंजू कौशल अर्चना सिनसिनवार सगठन की सभी महिलाएऔर सभी सदस्य मौजूद रहे इसके बाद एसडीएम महोदय को किसानो की समस्याओं के बारे में ज्ञापन भी दिया

जनपद न्यायाधीश ने दीवानी कचहरी परिसर में किया पौधारोपण

सहारनपुर। जिला जज तरूण सक्सेना ने एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण महाअभियान के तहत आज दीवानी कचहरी न्याय वाटिका में पौधारोपण किया।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव/अपर जिला जज प्रबोध कुमार वर्मा ने बताया कि दीवानी कचहरी न्याय वाटिका में जनपद न्यायाधीश तरूण सक्सेना, प्रधान न्यायाधीश देवेन्द्र सिंह कौशिक द्वारा पौधे लगाये गये। जनपद न्यायाधीश द्वारा अपने सम्बोधन में कहा कि पर्यावरण की संरक्षा के लिए वृक्षों का रोपण एवं उनकी देखभाल करना आवश्यक है। साथ ही उन्होंने प्लास्टिक के उपयोग को कम करने के लिए सभी को प्रेरित किया।

आईआईए की बैठक में नयनियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत किया

सहारनपुर। आईआईए की एक बैठक प्रताप मार्किट स्थित कार्यालय पर आयोजित की गयी जिसमें आईआईए चेयरमैन गौरव चोपड़ा ने तीन नए पदाधिकारियों को मनोनीत किये जाने पर उनका माल्यार्पण कर जोरदार स्वागत अभिनन्दन किया गया।

सम्पन्न हुआ अधिष्ठापन समारोह भारत विकास परिषद सुंदरम शाखा ने किया था आयोजित

नई कार्यकारिणी को दिलाई पद गोपनीयता की शपथ

प्रवीन शर्मा संवादाता चंडोस/ भारत संवाद

अलीगढ़। भारत विकास परिषद सुंदरम शाखा का अधिष्ठापन समारोह रामघाट रोड स्थित एक होटल में पूर्ण भव्यता के साथ हुआ जहां पर सचिव संगीता बंसल ने बताया कि मुख्य अतिथि प्रांतीय अध्यक्ष संजीव वार्ष्णेय,प्रांतीय महासचिव प्रभात वार्ष्णेय रजनीश तथा प्रांतीय गतिविधि संयोजिका सुशीला सिंह,डॉ.दिव्या लहरी, सविता गर्ग एवं वरिष्ठ सदस्यों के साथ मिलकर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इसके बाद अधिष्ठापन अधिकारी प्रभात वार्ष्णेय ने वर्ष 2025-26 की गठित कार्यकारिणी को दिलाई पद की शपथ फिर कराया पद ग्रहण और इस प्रकार नव गठित कार्यकारिणी में डॉ.शशी शर्मा ने अध्यक्ष,संगीता बंसल ने सचिव तथा कविता गुप्ता ने कोषाध्यक्ष पद ग्रहण किया साथ ही आधा दर्जन नए सदस्यों ने भी संस्था की सदस्यता ग्रहण की।वहीं निवर्तमान शाखा अध्यक्ष सुनीता वार्ष्णेय ने सभी का स्वागत किया,सचिव शशि शर्मा ने पिछले वर्ष किए गए कार्यों के बारे में बताया। वर्तमान सचिव संगीता बंसल ने इस सत्र में हुए अभी तक के कार्यों और आगामी योजनाओं के बारे में सभी को अवगत कराया।इस अवसर पर शाखा के बैनर तले शाखा की वरिष्ठ सदस्य विमला बंसल ने एक जरूरतमंद व्यक्ति को व्हील चेयर भी प्रदान की और प्रांतीय अधिकारियों ने शाखा के किए गए कार्यों की भूरि भूरि प्रशंसा की तथा भविष्य में भी इसी प्रकार कार्य करने के लिए प्रेरित किया।सभा का संचालन सचिव संगीता बंसल ने किया,कविता गुप्ता कोषाध्यक्ष ने आए हुए सभी साथियों का आभार व्यक्त किया। डॉ.दिव्या लहरी ने भारत विकास परिषद के विषय में सभी को बताया और इस कार्यक्रम में डॉ.रश्मि सिंह, सुनीता वार्ष्णेय,माधवी अग्रवाल, डॉ.अलका गर्ग, रत्नेश शाह,अर्चना कुलश्रेष्ठ,पूजा सोमानी, लता गुप्ता,रानी उपाध्याय,डॉ.मिनी गोयल, निरुपमा पाठक,अल्पना गौतम, नीलम वार्ष्णेय,नूतन गुप्ता,सुधा सिंघल, अनीता बंसल,सरोज गुप्ता, कनक सक्सेना, अनीता अग्रवाल, बबिता शर्मा,दीप्ती गोविल, शालिनी मुखरैया,अर्चना रंजन आदि सदस्य गण उपस्थित रही और कार्यक्रम को भव्य बनाने में सहयोग किया।

सरकारी स्कूलों को मर्ज किए जाने के फरमान का विपक्ष ने किया विरोध

जिला मुख्यालय पर कांग्रेसियों किया धरना प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

डोली शर्मा संवादाता महानगर / भारत संवाद

अलीगढ़ ।प्रदेश सरकार द्वारा सूबे के पांच हजार प्राइमरी और जूनियर स्कूल मर्ज किए जाने के फरमान का विपक्ष ने कड़ा विरोध किया है। इस संबंध में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय के आहवान पर अलीगढ़ में कांग्रेसियों ने जनपद मुख्यालय पर धरना प्रदर्शन करते हुए अपने विरोध का प्रगट किया। जिला कलेक्ट्रेट पर सभी कांग्रेसी नेता और कार्यकर्ता सवेरे ग्यारह बजे एकत्रित होने शुरू गए और यहां पर सभी ने नारेबाजी करते हुए अपने आक्रोश का व्यक्त किया। इस धरना प्रदर्शन में मौजूद पूर्व विधायक विवेक बंसल ने कहा कि वह सरकार के निर्णय के खिलाफ हैं क्योंकि इसका असर सुदूर ग्रामों में रहने वाले बच्चों पर पड़ेगा साथ ही बीटीसी धारकों के समक्ष बेरोजगारी का संकट पैदा होगा। इस धरना प्रदर्शन की अध्यक्षता संगठन के जिलाध्यक्ष ठाकुर सोमवीर सिंह ने की और उन्होंने मांग की है हर आम और खास व्यक्ति के बच्चे को सरकारी स्कूल में पढ़ाए जाने की अनिवार्यता को लागू किया जाए जिससे शिक्षा माफियाओं की खुद कमर टूट जाएगी ।जिलाध्यक्ष ने कहा कि आज स्कूलों को बंद कराने की नहीं अपितु नए विद्यालय खोले जाने की जरूरत है क्योंकि प्राइवेट शिक्षा बहुत महंगी हो गई है। वहीं कांग्रेस पार्टी के शहर सदर नावेद खान ने

कहा कि सरकार की कुछ निजी कंपनियों से गहरी सांठ गांठ है इसलिए सरकार अब धीरे धीरे सभी सरकारी विभागों का भी निजीकरण करना चाहती है जिसका कांग्रेस सड़कों पर उतर कर विरोध करेगी ।कांग्रेस पार्टी के धरना प्रदर्शन में यहां पर हाजी नौशाद कुरैशी,मोहम्मद जियाउद्दीन राही,जॉनी फास्टर,कैलाश बाबू,शाहिद खान और जितेंद्र सिंह बघेल टिंकू के अलावा सैकड़ो कांग्रेस के कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मंडलायुक्त ने कावड़ यात्रा के रूट का किया निरीक्षण-नगर निगम व पीडब्ल्यूडी को समुचित व्यवस्था कराने के दिये निर्देश

डोली शर्मा संवादाता महानगर/ भारत संवाद

अलीगढ़। आने वाली 14 जुलाई को श्रावण मास के पहले सोमवार पर कावड़ियों के आवागमन के मार्ग और श्रद्धालुओं के खेरेश्वर मंदिर और शिव मंदिर जाने वाले मार्गों पर व्यवस्थाओं को दुरुस्त करने के उद्देश्य से अलीगढ़ कमिश्नर संगीता सिंह ने नगर निगम और पीडब्ल्यूडी विभाग के अधिकारियों के साथ कावड़ यात्रा के रूट का निरीक्षण किया।मंडलायुक्त को कावड़ यात्रा के रोड पर कई जगह गड्ढे जल भराव अतिक्रमण दिखाई दिया मौके पर मंडलायुक्त ने नगर निगम और पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को अगले 48 घंटे में कावड़ यात्रा के रूट पर पैच वर्क करने के साथ-साथ जहां-जहां जल भराव की स्थिति है वहां अतिरिक्त पंपसेट लगाकर जल निकासी करने के निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने खेरेश्वर धाम पर पहुंच कर साफ सफाई और लाइट व्यवस्था का भी निरीक्षण किया।नगर निगम की ओर से अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव ने बताया नगर निगम द्वारा

कावड़ियों के आवागमन के मार्ग को 5 सेक्टर में नगर निगम द्वारा बनाया गया है।अपर नगर आयुक्त ने कावड़ियों के रूट पर नगर निगम संबधी व्यवस्थाओं को समय से कराने का आश्वासन दिया।अपर नगर आयुक्त ने खैर रोड पर सीएम ग्रिड योजना के अंतर्गत निर्माणधीन कार्य को देखते हुए कमिश्नर से देहली गेट की ओर से खैर बाईपास होते हुए नादा पुल से खेरेश्वर जाने वाले रूट पर कांवड़ियों के आवागमन को डाइवर्ट करने का अनुरोध किया।

शिव,शक्ति की उपासना से सार्थक है मानव जीवन : स्वामी पूणार्नंदपुरी जी महाराज

भारत संवाद

अलीगढ। भगवान शिव का प्रिय महीना सावन आरंभ होने वाला है,इस समय समस्त देवता शयन करते हैं, लेकिन शिव जाग्रत रहते हैं।इसी कारण श्रावण भोलेनाथ की भक्ति का विशेष कालखंड है। श्रावण के आरंभ तिथि 11 जुलाई को मिथुन राशि में गुरु व सूर्य का संचरण होगा। गुरु ज्ञान और सूर्य प्रकाश के पर्याय हैं, जिससे पृथ्वी पर जीवन चल रहा है।दोनों ग्रहों के मिलन से ज्ञानोदय योग का संयोग बन रहा है। वैदिक ज्योतिष संस्थान पर चल रहे शतचंडी अनुष्ठान के तहत यह जानकारी संस्थान के प्रमुख स्वामी श्री पूणार्नंदपुरी जी महाराज ने दी। स्वामी पूणार्नंदपुरी जी महाराज के अनुसार इस बार सावन में तमाम उत्तम योग बन

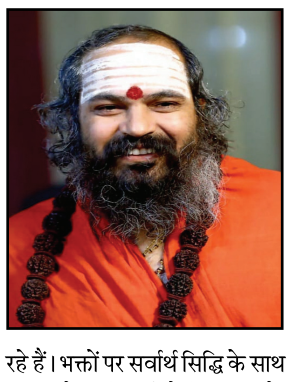

रहे हैं। भक्तों पर सर्वार्थ सिद्धि के साथ अमृत योग की वर्षा होगी। सावन के चारों सोमवार पर कुल सात फलदायी योग रहेंगे। वहीं 72 साल बाद दो ग्रह शनि और बुध की चाल बदल जाएगी। चार सोमवार पर सात योग हैं। सात सर्वार्थ सिद्धि और एक अमृत सिद्धि योग का अनुपम संयोग बन रहा है।सात जुलाई को देवताओं के गुरु बृहस्पति उदय होंगे। 16 जुलाई को सूर्य कर्क, 20 को राहु पूवार्भाद्रपद व केतु पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र और 26 जुलाई को शुक्र मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे। हालांकि, शनि व बुध के वक्री होने का प्रतिकूल प्रभाव हो सकते हैं, मगर दुर्लभ योग बनने से भक्तों पर भगवान शिव की कृपा होगी। श्रावण में व्रत रखकर रुद्राभिषेक, महाभिषेक शतचंडी, महामृत्युँजय व जलाभिषेक करने पर शिव प्रसन्न होकर मनोवांछित फल प्रदान करते हैं। पहले सोमवार पर आयुष्मान नामक योग का दुर्लभ संयोग बन रहा है।माता पार्वती ने श्रावण मास में व्रत रखकर शिव को प्राप्त किया।इस बार मिथुन राशि में 11 जुलाई को गुरु व सूर्य का संचरण होगा,पहले सोमवार पर आयुष्मान योग का दुर्लभ संयोग बन रहा है। अतः वैवाहिक जीवन की कुशलता, सुख समृद्धि के लिए महिलाओं को शिव की स्तुति करनी चाहिए। अविवाहित युवतियां व्रत रखकर आराधना कर सकती हैं। स्वामी जी ने बताया कि श्रावण के हर सोमवार पर विशेष योग बन रहा है। प्रदोष व्रत 22 जुलाई व छह अगस्त को पड़ेगा। नौ अगस्त को श्रावण मास की पूर्णिमा तिथि पर रक्षाबंधन तथा 14 जुलाई पहला सोमवार चतुर्थी तिथि, सुबह 7.26 बजे तक घनिष्ठा, इसके बाद शतभिषा नक्षत्र रहेगा। आयुष्मान योग रहेगा। 21 जुलाई को पड़ने वाले दूसरे सोमवार को एकादशी तिथि, रोहिणी नक्षत्र, वृद्धि योग है। 28 जुलाई तीसरे सोमवार को चतुर्थी तिथि, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र, वरीयान व परिघ योग। 4 अगस्त को चौथा सोमवार रहेगा दशमी तिथि, सुबह 8.44 बजे तक अनुराधा नक्षत्र रहेगा। इसके बाद ज्येष्ठा नक्षत्र रहेगा।वहीं 23 जुलाई को मासिक शिवरात्रि मनायी जाएगी। तथा शिव योग में नागपंचमी पर्व 29 जुलाई को मनायी जाएगी।श्रावण कृष्ण पक्ष 14 दिनों का है। त्रयोदशी तिथि क्षय है। दूसरा शुक्ल पक्ष 16 दिनों का होगा।इसमें अष्टमी तिथि की वृद्धि हो रही है। 28 जुलाई को चंद्रमा पूवार्फाल्गुनी नक्षत्र और उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र में होंगे। सिंह राशि में चंद्रमा के होने से धन योग बनेगा। वृद्ध चतुर्थी का भी संयोग है।इस दिन भगवान शिव और गणेशजी के आशीर्वाद भक्तों को मिलेंगे। अंतिम सोमवार चार अगस्त को सर्वार्थ सिद्धि योग, ब्रह्म और इंद्र योग रहेगा। चंद्रमा अनुराधा नक्षत्र और चित्रा नक्षत्र से वृश्चिक राशि पर संचार करेंगे।

व्यापारियों ने नगर निगम की कार्यशैली के विरोध जताया रोष

भारत संवाद

सहारनपुर। सहारनपुर उद्योग व्यापार प्रतिनिधी मंडल से सम्बद्ध बड़ी संख्या में आज व्यापारी कुछ दिन पूर्व व्यापारी अशोक खुराना के साथ नगर निगम के प्रवर्तन विभाग के कर्मचारियों द्वारा पॉलीथिन जांच के समय दुर्व्यवहार एवं मारपीट की घटना की नगर निगम में सुनवाई में व्यापारी को नैतिक समर्थन देने के लिए महानगर अध्यक्ष विवेक मिनोचा एवं महामंत्री सुरेंद्र मोहन चावला के नेतृत्व में नगर निगम में एकत्र हुए। इस अवसर पर

महानगर अध्यक्ष विवेक मिनोचा व वरिष्ठ महामंत्री सुरेंद्र मोहन सिंह चावला ने बताया कि आज 5 जुलाई को अपर नगर आयुक्त मृत्युंजय कुमार द्वारा घटनाक्रम की जांच के लिए व्यापारी अशोक खुराना को बुलाया गया था और अपनी बात रखने के लिए कहा गया था ।व्यापारी द्वारा अपनी बात रखने व अपने उत्पीड़न के घटनाक्रम का पूरा ब्यौरा विस्तार से दिया गया और व्हिडियो भी दिखाई गई। उन्होंने कहा कि व्यापार मंड़ल यह उम्मीद करता है कि नगर निगम द्वारा इस मामले की निष्पक्ष जांच करके दोषी कर्मचारियों व एजेंसी के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी अन्यथा व्यापारी समाज सड़क पर उतरकर अपना विरोध करेगा।इस अवसर परमहानगर अध्यक्ष विवेक मनोचा, महानगर वरिष्ठ महामंत्री सुरेंद्र मोहन सिंह चावला,प्रांतीय उपाध्यक्ष यशपाल मैनी,महानगर महामंत्री पुनीत चैहान, महानगर कोषाध्यक्ष सुधीर मिगलानी आरके मल्होत्रा,संजय भसीन, दीपक खेड़ा, मुस्तकीम अहमद, चिराग डाबर,करण चावला, फरजान अहमद, सुशील अरोड़ा राजकुमार पपनेजा, संदीप कालिया,अमित सेठी,जयवीर राणा जी,मतीश्वर चांदना, सिद्धक बग्गा,राधे श्याम नारंग, हरजीत सिंह पप्पी,मनीष ढींगरा,शिवम नरूला, विवेक वर्मा, जितेंद्र परूथी, विशाल खुराना आदि उपस्थित रहे।

एनसीसी कैडेट्स को सैन्य दक्षता और जीवन रक्षा कौशल का प्रशिक्षण

भारत संवाद / योगेश शर्मा

अलीगढ़। 8 यूपी बटालियन एनसीसी अलीगढ़ के तत्वावधान में मंगलायतन विश्वविद्यालय में चल रहे संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर के चौथे दिन कैडेट्स ने अनुशासन और उत्साह के साथ विविध सैन्य गतिविधियों में भाग लिया। दिन की शुरूआत ऊजार्वान शारीरिक प्रशिक्षण सत्र से हुई। जिसमें कैडेट्स को मानसिक व शारीरिक रूप से प्रशिक्षित करने के साथ टीम भावना का संचार किया गया। हथियार प्रशिक्षण सत्र में सैन्य उपकरणों के सुरक्षित संचालन

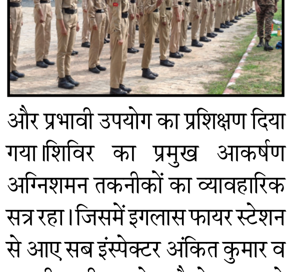

और प्रभावी उपयोग का प्रशिक्षण दिया गया।शिविर का प्रमुख आकर्षण अग्निशमन तकनीकों का व्यावहारिक सत्र रहा। जिसमें इगलास फायर स्टेशन से आए सब इंस्पेक्टर अंकित कुमार व उनकी टीम ने कैडेट्स को आपातकालीन परिस्थितियों में आग से बचाव और अग्निशमन उपकरणों के कुशल उपयोग का प्रशिक्षण दिया। नायब सूबेदार सुनील सिंह ने भी कैडेट्स को आग से बचाव की महत्वपूर्ण जानकारी दी। कैंप कमांडेंट कर्नल अजय लूंबा ने प्रशिक्षण सत्रों का निरीक्षण करते हुए कहा कि एनसीसी कैडेट्स न केवल भविष्य के सैनिक हैं, बल्कि राष्ट्र निर्माण के सशक्त कर्णधार भी हैं।इनका सर्वांगीण विकास अत्यंत आवश्यक है। डिप्टी कैंप कमांडेंट कर्नल योगेंद्र सिंह चौहान ने अधिकारियों को प्रशिक्षण की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा कैडेट्स को अधिक व्यावहारिक ज्ञान देने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए।

भारत संवाद परिवार

1-संरक्षक-भारत संवाद डॉ राम किशोर शर्मा पूर्व विभागाध्यक्ष इलाहाबाद विश्व विद्यालय कबीर सम्मान 2021 से सम्मानित , 2-संरक्षक-भारत संवाद, आचार्य पं0 पृथ्वीनाथ पाण्डेय भाषाविज्ञानी एंव मीडियाध्ययन विशेषज्ञ, 3-संरक्षक-भारत संवाद गजानन महतपुरकर , (सुपरिचित कवि, लेखक, गीतकार, मंच संचालक, स्वतंत्र पत्रकार एवं सदस्य, महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी तथा पश्चिम रेलवे, चर्चगेट के वरिष्ठ जनसम्पर्क अधिकारी पद से सेवानिवृत्त), 4-कला एवं मनोरंजन संपादक (भारत संवाद) , जगन्नाथ तिवारी, 5-उपसंपादक (भारत संवाद) , माता प्रसाद शर्मा, 6-प्रभारी प्रयागराज संस्करण आशीष कुमार शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा रमा प्रिंटिंग प्रेस 53/25/1-ए बेली रोड नया कटरा इलाहाबाद से मुद्रित एंव ज्ञान गंगा कालोनी सराय तकी झूंसी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक- अरविन्द कुमार शर्मा ।फोन नं०.05324012522 मो०-9455137214,9935750291,E mail-bharatsamvad2009@gmail.com RNI No-UPHIN/2009/30939
(किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इलाहाबाद उच्च न्यायालय होगा)।

तब बाढ़ में भी नहीं डूबेंगे धान के पौधे !

तेज बरसात की वजह से चावल के पौधे पानी में बिलकुल डूब जाते हैं। अब जापानी वैज्ञानिकों ने ऐसे जीनों का पता लगाया है जिनके जरिए चावल के पौधे का विकास इस तेजी से बढ़ाया जा सकता है कि वह पानी में डूबे ही नहीं।

भारत में चावल उगाने वाले किसान जहां बरसात के लिए तरसते हैं, वहीं उससे बहुत डरते भी हैं। उनके मन में कई सवाल होते हैं, क्या बरसात ठीक वक्त पर आएगी, ज़्यादा तेज और लंबी तो नहीं होगी, कितनी बार फसल बरसात की वजह से खराब हो जाती है और हज़ारों किसानों के लिए भारत में ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और दूसरे एशियाई देशों में भी गुजारा करना मुश्किल हो जाता है।

अक्सर यह देखा गया है कि तेज बरसात की वजह से चावल के पौधे पानी में बिलकुल डूब जाते हैं। खेतों मे बढ़ता हुआ जलस्तर चावल के पौधों के लिए सामान्?यत- अच्छा ही रहता है, लेकिन यह ज़रूरी है कि पौधे के उपरी हिस्से हवा के संपर्क में बने रहें। हालांकि मानसूनी इलाकों में बरसात और बाढ की वजह से चावल के खेतों में पानी इतना ज्?यादा भर जाता है कि धान के पौधे बिल्कुल डूब जाते हैं तथा इससे वे सड़ने लगते हैं और मर भी जाते हैं।

गौरतलब है कि गहरे पानी में उगनेवाले चावल की प्रजाति को जलजमाव से कोई समस्या नहीं होती। पानी के साथ-साथ उसके तने वाले डंठल भी बढ़ते जाते हैं।

जापान के नागोया विश्वविद्यालय के मोतोयुकी अशिकारी कहते हैं-

गहरे पानी में उगने वाले चावल के पौधे, पानी की गहराई से ऊपर बने रहने के लिए, एक मीटर तक बढ़ सकते हैं। वे हवा के संपर्क में बने रहने के लिए ऐसा करते है। वे अंदर से खोखले होते हैं, लेकिन उसके जरिए पौधा पानी की सतह से उपर पहुंच सकता है और ऑक्सीजन पा सकता है। यह कुछ ऐसा ही है कि जब आप गोताखोरी कर रहे होते हैं, तो पानी से ऊपर निकली एक नली से सांस लेते हैं।

बरसात के समय ऐसे चावल के तने 25 सेंटीमीटर प्रतिदिन की एक अनोखी गति से बढ़ सकते हैं। अशिकारी और उनकी टीम ने इस प्रक्रिया को समझने के लिए इस चावल के जीनों से यह समझने की कोशिश की कि चावल बरसात के वक्त अपने विकास को किस तरह नियंत्रित करता है। अध्ययनों से अब तक जितना पता चला है वह यह है कि एक गैसीय विकास-हॉर्मोन एथीलिन इसके लिए जिम्मेदार है, जैसाकि नीदरलैंड के उएतरेश्त विश्वविद्यालय के रेंस वोएसेनेक बताते हैं-

जब पौधा पूरी तरह पानी में डूब जाता है तब यह गैस ठीक तरह से मुक्त नहीं हो पाती। यू कहें कि वह पौधे में ही कैद हो जाती है। यानी पौधे में एथिलिन की मत्रा बढ़ने लगती है। यह पौधे के लिए संकेत है कि वह पानी में डूब रहा है और उसे कुछ करना है।

जापानी विशेषज्ञों ने पता लगाने की कोशिश की कि कौन से जीन इस स्थिति में सक्रिय होते हैं। उन्होने ऐसे जीन पाए जिनको वे गोताखोरी में इस्तेमाल होनेवाली नली के अनुरूप स्नोर्कल जीन कहते हैं। ये जीन तभी सक्रिय होते हैं जब पौधे के तने में एथिलिन की मात्रा बढ़ने लगती है। वे पौधे के विकास को तेज करने वाले दूसरे तत्वों का उत्पादन शुरू कर देते हैं। मोतोयुकी अशिकारी कहते हैं-

हमने क्रॉमोसोम 1,3 और 12 पर यह तथाकथित नलिका जीन पाए। उन्हें यदि सामान्य चावल के पौधों में भी मिलाया जा सके, तो बरसात के वक्त सामान्य चावल के पौधे भी वही करेंगे जो गहरे पानी में उगने वाला चावल करता है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम चावल की हर प्रजाति को गहरे पानी में उगने वाले चावल की प्रजाति बना सकते हैं।

यानी इन जीनों की मदद से चावल की उस फसल को बचाया जा सकता है जो पानी की अधिकता के प्रति बहुत संवेदनशील है। जहां अक्सर बाढ आती है वहां के किसानों की इस बड़ी समस्या का समाधान हो सकता है। एक और समस्या भी दूर हो सकती है - गहरे पानी में उगने वाला चावल बहुत ही कम फसल देता है, प्रति हेक्टेयर सिर्फ एक टन जो उपजाऊ क़िस्मों की तुलना में सिर्फ 20 फीसदी के बराबर है। नीदरलैंड के विशेषज्ञ रेंस वोएसेनेक बहुत ही आशावादी हैं-

विकास के लिए जिम्मेदार इन जीनों के बारे में पता चल जाने के बाद अब हम चावल की अलग-अलग प्रजातियों के बीच प्रकृतिक संवर्धन के जरिए, यानी वर्णसंकर के जरिए भी इन जीनों को उनके पौधे में डाल सकते हैं। इसके लिए किसी जीन तकनीक जरूरत ही नहीं हैं।

जापान के विशेषज्ञों ने यह काम शुरू कर भी दिया है। उनके अध्ययनों से एक बार फिर पता चलता है कि पौधों के संवर्धन के लिए उनके जीनों में असामान्य गुणों की तालाश कितनी जरूरी है।

कुदरती खेती का एक अनूठा प्रयोग

भारत एक कृषि प्रधान देश है। प्रकृति की कृपा तथा हमारे किसानों कि आर्थिक मेहनत से हमारी भूमि सदा उपजाऊ रही है। प्राचीन समय में हमारी खेती प्राकृतिक संपदा व संसाधनों पर ही निर्भर थी और देश की खाद्यान्नों सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा कर पाती थी। जैसे-जैसे देश में शहरीकरण व औद्योगिकरण बढते गये , गांवों से लोग खेती को छोड़ शहरों की ओर आते गये। प्राकृतिक खेती पध्दति कम होती गई और रासायनिक खाद आदि का प्रयोग बढता गया। ज़मीन की उत्पादकता घटती गई और साथ ही किसान की आय भी। सन 1965 में भारत में हरित क्रांति आयी जिससे उपज तो बढी मगर रासायनिक उरवरक तथा अन्य उत्पादों के अन्धाधुन्ध प्रयोग से मिटटी की उत्पादकता भी कम होती गयी।

यूरोप, अमरीका व एशिया में सन् 1940-50 के दकों में जैविक खेती और प्राकृतिक खेती की प्रक्रियाओं पर बहुत प्रयोग किये गये। खेती कि ये विधायें भारत में सन 1980 के दशक से आगे बढी हैं। जैविक खेती की पद्धति में रासायनिक पध्दाथों का प्रयोग वर्जित है। प्राकृतिक खेती में केवल प्राकृतिक प्रक्रियाओं व संसाधनों का ही प्रयोग होता है। आधुनिक खेती या रासायनिक खेती प्रकृति के खिलाफ है। रासायनिक खादों व कीटनाशकों से हमारे खेतों की मिट्टी की उर्वरता खत्म हो रही है। मिट्टी में मौजूद सूक्ष्म जीवाणु और जैव तत्त्व मर रहे हैं और वह बंजर हो जाती है। कुदरती खेती प्रकृति के साथ होती है। यद्यपि प्राकृतिक खेती की शुरूआत जापान के कृषि वैज्ञानिक फुकुओवा ने की है लेकिन हमारे यहां भी ऐसी खेती होती रही है। मंडला के बैगा आदिवासी बिना जुताई की खेती करते हैं जिसे झूम खेती कहते हैं।

भारत के मध्य प्रदेश राज्य के होशंगाबाद ज़िले के एक फार्म मे लगभग पिछ्ले 25 वर्षो से प्राक्रतिक खेती, जिसे कुदरती खेती भी कहते है, हो रही है। करीब 12 एकड़ के इस फार्म में सिर्फ 1 एकड़ में खेती की जा रही है। यहां बिना जुताई (नो टिलिग) और रासायनिक खाद के खेती की जा रही है। बीजों को मिट्टी की गोली बनाकर बिखेर दिया जाता है और वे उग आते हैं। यह सिर्फ खेती की एक पद्धति भर नहीं है बल्कि जीवनशैली है। यहां का अनाज, फल पानी और हवा शुध्द है। यहा कुआं है, जिसमें पर्याप्त पानी है। बिना जुताई के खेती मुश्किल है, ऐसा लगना स्वाभाविक है। पहली बार सुनने पर विश्?वास नहीं होता लेकिन देखने के बाद सभी शंकाएं निर्मूल हो जाती हैं। दरअसल, इस पर्यावरणीय पद्धति में मिट्टी की उर्वरता उत्तारोतर बढ़ती जाती है।

बाकी के 11 एकड़ में सुबबूल (आस्टेलियन अगेसिया) का जंगल है। सुबबूल एक चारे की प्रजाति है। इस जंगल से मवेशियों का चारा और लकड़ियां मिल जाती हैं। लकड़ियों की टाल है, जहां से जलाऊ लकड़ी बिकती हैं, जो फार्म की आय का मुख्य स्त्रोत है। एक एकड़ जंगल से हर वर्ष करीब ढाई लाख रूपये की लकड़ी बेच लेते हैं।

गेहूं के खेतों में हवा के साथ गेहूं के हरे पौधे लहलहाते हैं। खेत में फलदार और अन्य जंगली पेड़ हैं जिनके नीचे गेहूं की फसल होती है। आम तौर पर खेतों में पेड़ नहीं होते हैं लेकिन यहां अमरूद, नीबू और बबूल के पेड़ हैं जिन के कारण खेतों में गहराई तक जड़ों का जाल बुना रहता है। इससे भी जमीन ताकतवर बनती जाती है। अनाज और फसलों के पौधे पेड़ों की छाया तले अच्छे होते हैं। छाया का असर जमीन के उपजाऊ होने पर निर्भर करता है। चूंकि यहां जमीन की उर्वरता अधिक है, इसलिए पेड़ों की छाया का फसल पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता।

इन खेतों में पुआल, नरवाई, चारा, तिनका व छोटी-छोटी टहनियों को पड़ा रहने देते हैं, जो सड़कर जैव खाद बनाती हैं। खेत में तमाम छोटी-बड़ी वनस्पतियों के साथ जैव विविधताएं आती -जाती रहती हैं। और हर मौसम में जमीन ताकतवर होती जाती है। इस जमीन में पौधे भी स्वस्थ और ताकतवर होते हैं जिन्हें जल्द बीमारी नहीं घेरती।

यहां जमीन को हमेशा ढककर रखा जाता है। यह ढकाव हरा या सूखा किसी भी तरह से हो, इससे फर्क नहीं पड़ता। इस ढकाव के नीचे अनगिनत जीवाणु, केंचुए और कीड़े-मकोड़े रहते हैं और उनके ऊपर-नीचे आते-जाते रहने से जमीन पोली और हवादार व उपजाऊ बनती है।

आमतौर पर किसान अपने खेतों से अतिरिक्त पानी को नालियों से बाहर निकाल देते हैं लेकिन यहां ऐसा नहीं किया जाता। बारिश में कितना ही पानी गिरे, वह खेत के बाहर नहीं जाता। खेतों में जो खरपतवार, ग्रीन कवर या पेड़ होते हैं, वे पानी को सोखते हैं। इससे एक ओर खेतों में नमी बनी रहती है, दूसरी ओर वह पानी वाश्?पीकृत होकर बादल बनता है और बारिश में पुन् बरसता है। इसके विपरीत, जब जमीन की जुताई की जाती है और उसमें पानी दिया जाता है तो खेत में कीचड़ हो जाती है। बारिश होती है तो पानी नीचे नहीं जा पाता और तेजी से बहता है। पानी के साथ खेत की उपजाऊ मिट्टी बह जाती है। इस तरह हम मिट्टी की उपजाऊ परत को बर्बाद कर रहे हैं और भूजल का पुनर्भरण भी नहीं कर पा रहे हैं। साल दर साल भूजल नीचे चला जा रहा है।

यहां खेती भोजन की जरूरत के हिसाब से होती हैं, बाजार के हिसाब से नहीं। जरूरत एक एकड़ से ही पूरी हो जाती है। यहां से अनाज, फल और सब्जियां मिलती हैं, जो परिवार की जरूरत पूरी कर देती हैं। जाड़े मे गेहूं, गर्मी में मक्का व मूंग और बारिश में धान की फसल ली जाती है। कुदरती खेती में भूख मिटाने के साथ समस्त जीव-जगत के पालन का विचार है। इससे मिट्टी-पानी का संरक्षण होता हैं। इसे ऋषि खेती भी कहते हैं क्योंकि ऋषि मुनि कंद-मूल, फल और दूध को भोजन के रूप में ग्रहण करते थे, बहुत कम जमीन पर मोटे अनाजों को उपजाते थे। वे धरती को अपनी मां के समान मानते थे, उससे उतना ही लेते थे जितनी जरूरत थी। अत- कुदरती खेती का यह प्रयोग सराहनीय होने के साथ-साथ अनुकरणीय भी है।

रूस लड़कियों को बच्चे पैदा करने पर 1 लाख दे रहा

जंग में बड़ी सेना बनाना मकसद, घटती जनसंख्या और बूढ़ी आबादी से जूझ रहा

एजेंसी

मॉस्को, रूस में कम उम्र की लड़कियों को बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। न्यूज एजेंसी मुताबिक सरकार बच्चे को जन्म देने और उसका पालन-पोषण करने के लिए इन्हें करीब एक लाख रुपए की मदद दे रही है। यह योजना मार्च 2025 में रूस के 10 हिस्सों में शुरू हुई है। इसका मकसद देश में कम होती जनसंख्या और बढ़ती उम्र के लोगों की समस्या को दूर करना है। पहले यह योजना सिर्फ बालिग (18 साल से ऊपर) महिलाओं के लिए थी। लेकिन अब इसमें नाबालिग लड़कियों को भी शामिल कर लिया गया है, ताकि वे भी बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित हों। रूस में 2023 में प्रति महिला औसत

जन्म दर 1.41 थी, जबकि आबादी को स्थिर रखने के लिए 2.05 की दर जरूरी मानी जाती है। इसलिए रूस सरकार ऐसी योजनाएं चला रही है, जिन्हें ह्यप्रोनेटलिस्ट नीतियांह्व कहा जाता है। इनका मकसद लोगों को ज्यादा बच्चे पैदा करने के लिए प्रेरित करना है। फिलहाल आबादी के लिहाज से रूस दुनिया का नौवां सबसे बड़ा देश है, लेकिन वहां जनसंख्या कम होने का खतरा बढ़ रहा है। रूस में स्कूल में पढ़ने वाली लड़कियों को बच्चे पैदा करने के लिए पैसे देना काफी विवादित फैसला है। रूस में हुए एक सर्वे के मुताबिक 43% लोग इस नीति के पक्ष में हैं, जबकि 40% इसका विरोध कर रहे हैं। लेकिन यह साफ है कि रूस की सरकार बच्चों के जन्म को अपनी सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक मान रही है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन कई बार ये कह चुके हैं कि बड़ी आबादी से देश को बड़ी सेना बनाने में मदद मिलती है। इससे देश ताकतवर बनता है। कुछ एक्सपर्ट्स इसे रूस और यूक्रेन के जंग से भी जोड़कर देख रहे हैं। इस युद्ध में अब तक करीब 2.5 लाख रूसी सैनिक मारे जा चुके हैं। इसके अलावा युद्ध की वजह से रूस के सैकड़ों हजार पढ़े-लिखे लोग देश छोड़कर भाग गए हैं। इनमें ज्यादातर युवा पुरुष हैं जो भविष्य में रूस में रहकर बच्चे पैदा कर सकते थे। रूस की संसद ने 2024 में एक ऐसा कानून पास किया है जिसका मकसद लोगों में बच्चे न पैदा करने की सोच को बढ़ावा देने से रोकना है। इस कानून के तहत अब कोई भी व्यक्ति, संगठन या विज्ञापन ऐसा मैसेज नहीं दे सकता जो लोगों को शादी और बच्चे पैदा करने के बजाय सिंगल रहकर या सिर्फ करियर बनाने के लिए प्रेरित करे।

मेक्सिको में बढ़ते टूरिज्म के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन

प्रदर्शनकारियों ने तोड़फोड़ और आगजनी की, टूरिस्ट हमारे घर चुराना बंद करो जैसे नारे लगाए

एजेंसी

मेक्सिको सिटी, मेक्सिको सिटी के कई शहरों में टूरिज्म और जेंट्रीफिकेशन (शहरीकरण) के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुआ। कोंडेसा और रोमा जैसे टूरिस्ट एरिया में शांतिपूर्ण तरीके से शुरू हुआ प्रदर्शन बाद में हिंसक हो गया। कुछ नकाबपोश प्रदर्शनकारियों ने कई दुकानों में लूटपाट, तोड़फोड़ और आगजनी की। साथ ही प्रदर्शनकारियों ने 'टूरिस्ट मेक्सिको से बाहर जाओ', 'हमारे घर चुराना बंद करो' जैसे नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने शहर में टूरिज्म को कंट्रोल करने और आवास नियमों को

सख्त करने की मांग की। बाद में प्रदर्शनकारी अमेरिकी दूतावास के बाहर पहुंचे और शहर की मेट्रो में नारेबाजी की। पुलिस ने दूतावास के बाहर सुरक्षा बढ़ा दी, और शहर में चेतावनी के लिए सायरन बजाय गए। मेक्सिको में 2020 से अमेरिकी टूरिस्ट काफी बढ़ें हैं, जिनके आने से यहां घरों के किराए में काफी बढ़ गए हैं, जिससे स्थानीय लोग अपने ही इलाकों से बेदखल हो रहे हैं। स्पेन, इटली, पुर्तगाल और दूसरे यूरोपीय शहरों में भी पर्यटन के खिलाफ प्रदर्शन तेज हो रहे हैं। स्पेन के बार्सिलोना में प्रदर्शनकारियों ने 15 जून को टूरिस्ट्स पर पानी फेंका और पर्यटक घर जाओ जैसे नारे लगाए। 2023 में बार्सिलोना में करीब 1.6 करोड़ पर्यटक आए, जो शहर की आबादी से 10 गुना ज्यादा है। शहर 2028 तक पर्यटक अपार्टमेंट्स पर प्रतिबंध लगाने की योजना बना रहा है। इटली के वेनिस में लोगों ने नए होटलों के खिलाफ 18 जून को प्रदर्शन किया था।

यहां होटलों की संख्या स्थानीय निवासियों के घरों से ज्यादा हो गई है। लिस्बन (पुर्तगाल) और मेजरका (स्पेन) में भी प्रदर्शन हुए, जहां लोग पर्यटन को नियंत्रित करने की मांग कर रहे हैं।

प्रदर्शनकारी पर्यटकों की संख्या सीमित करने, शॉर्ट-टर्म किराये पर रोक और स्थानीय लोगों के लिए किफायती आवास की मांग कर रहे हैं। कुछ शहरों ने इससे निपटने के लिए टूरिस्ट पर टैक्स लगाना शुरू किया है।

अमेरिका के टेक्सास में बाढ़ से 24 की मौत

23 लड़कियां लापता; अभी भी बारिश जारी, हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा

एजेंसी

वॉशिंगटन डीसी, अमेरिका के टेक्सास राज्य में शुक्रवार को भारी बारिश के बाद ग्वाडालूप नदी में आई बाढ़ से 24 लोगों की मौत हो गई, जबकि 23 लड़कियां लापता हो गई। अब तक 400 से ज्यादा लोगों को बचाया गया है। टेक्सास के गवर्नर डैन पैट्रिक ने बताया कि रेस्क्यू टीम काम कर रही है। जिसमें नौ बचाव दल, 14 हेलिकॉप्टर और 12 ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। कर्विल के पास कैंप मिस्टिक, जो एक

लड़कियों का समर कैंप है, पूरी तरह बाढ़ में डूब गया। कैंप में मौजूद 750 लड़कियों को बचाया गया है। कैंप में बिजली नहीं है और कई बच्चे अभी भी रेस्क्यू का इंतजार कर रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि कितने लोग लापता हैं, इसका सटीक आंकड़ा बताना मुश्किल है। पूवार्नुमान में बारिश की संभावना जताई गई थी, और लगभग 30 हजार लोगों के लिए चेतावनी जारी की गई है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी है कि अगले कुछ घंटों में टेक्सास और तेज बारिश हो सकती है। टेक्सास के गवर्नर ग्रेग एबॉट ने कहा- हम बाढ़ से निपटने के लिए सभी जरूरी संसाधनों को इस्तेमाल कर रहे हैं। नेशनल वेदर सर्विस के मुताबिक, गुरुवार देर रात और शुक्रवार सुबह कर्विल काउंटी में 5 से 10 इंच बारिश हुई, जिसकी वजह से टेक्सास में ग्वाडालूप नदी का जलस्तर कुछ ही घंटों में 7 फीट से बढ़कर 29 फीट हो गया। बारिश की वजह से नदी ने लोकल नाले और जलमार्गों को उफान पर ला दिया, जिससे सड़कें डूब गईं। ट्रेलर और वाहन बह गए। सैन एंटोनियो की इमरजेंसी टीमों ने हेलिकॉप्टर और ड्रोन के जरिए तलाश और बचाव कार्य शुरू किया है। इलाके में मौजूद लोगों ने लोकल मीडिया को बताया कि बाढ़ का पानी अचानक आया और उन्हें पेड़ों पर चढ़कर जान बचानी पड़ी।

भारत आकर किडनी बेच रहे बांग्लादेशी

एजेंसी

ढाका/कोलकाता, बांग्लादेश के उत्तर-पश्चिमी जिले जॉयपुरहाट का एक छोटा-सा गांव बाइगुनी अब 'वन किडनी विलेज' के नाम से कुख्यात हो चुका है। यहां हर 35 में से एक व्यक्ति अपनी किडनी बेच चुका है। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक भारत और बांग्लादेश के बीच चल रही इस अवैध अंग तस्करी ने कई परिवारों की जिंदगियों को बर्बाद कर दिया है। 45 वर्षीय सफीरुद्दीन इसी गांव के निवासी हैं। 2024 की गर्मियों में उन्होंने भारत आकर 2.5 लाख रुपए में अपनी किडनी बेच दी थी। उनका मकसद गरीबी से निकलना और अपने तीन बच्चों के लिए घर बनाना था, लेकिन अब उनका मकान अधूरा है, शरीर में लगातार दर्द है और काम करने की ताकत नहीं बची।

भारत में मानव अंग प्रत्यारोपण अधिनियम 1994 के मुताबिक , किडनी का दान सिर्फ नजदीकी रिश्तेदारों के बीच या सरकारी मंजूरी से ही किया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक दलाल नकली दस्तावेजों और रिश्तेदारी के फर्जी सबूतों के जरिए इस नियम को चकमा दे देते हैं। बिनाई गांव की विधवा जोशना बेगम और उनके दूसरे पति बेलाल को 2019 में एक दलाल ने भारत ले जाकर कोलकाता के एक अस्पताल में ट्रांसप्लांट करवाया। पहले 7 लाख टका (बांग्लादेशी करेंसी) का वादा किया गया, लेकिन ऑपरेशन के बाद सिर्फ 3 लाख मिले। जोशना कहती हैं कि, दलाल ने पासपोर्ट तक नहीं लौटाया। बाद में बेलाल भी मुझे छोड़कर चला गया। ई-कॉमर्स धोखाधड़ी में सब कुछ गंवाने के बाद ढाका के कारोबारी मोहम्मद सजल (बदला हुआ नाम) ने 2022 में दिल्ली में अपनी किडनी बेची। उन्होंने 8 लाख रुपए में किडनी बेच दी। लेकिन जब वादा किए गए 8 लाख रुपए नहीं मिले, तो उन्होंने खुद दलाल बनकर अन्य बांग्लादेशियों के लिए ट्रांसप्लांट का इंतजाम करना शुरू कर दिया। दिल्ली पुलिस ने जुलाई 2024 में एक महिला सर्जन को गिरफ्तार किया, जिन पर 15 बांग्लादेशी मरीजों के अवैध ट्रांसप्लांट कराने का आरोप है। हालांकि, यह कार्रवाई नाकाफी है। भारत में हेल्थ टूरिज्म एक 7.6 अरब डॉलर का उद्योग है और अधिक ट्रांसप्लांट का मतलब अधिक कमाई। ऐसे में अस्पतालों की चुप्पी भी इस व्यापार को बढ़ावा दे रही है। रिपोर्ट में दलालों के हवाले से बताया गया है कि मरीज एक किडनी के लिए 18 से 22 लाख रुपए तक चुका देते हैं, जबकि किडनी बेचने वालों को सिर्फ 2.5 से 4 लाख रुपए मिलते हैं। बाकी पैसा अस्पतालों, दलालों, दस्तावेज बनाने वालों और डॉक्टरों में बंट जाता है। रिपोर्ट के मुताबिक कुछ मामलों में तो लोगों को भारत में नौकरी का झांसा देकर ले जाया गया और बाद में जबरन या धोखे से ऑपरेशन करवा दिया गया।

भेदभाव की राजनीति को...

भाषा विवाद पर बोले चिराग पासवान, उद्धव-राज के मिलन पर भी दिया बड़ा बयान

एजेंसी

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि भारत का संविधान हमें देश के किसी भी कोने में रहने और कोई भी भाषा बोलने की अनुमति देता है। मैं सभी भाषाओं का सम्मान करता हूं, लेकिन आप हमारी भाषा का उतना ही सम्मान करें जितना हम आपकी भाषा का करते हैं। उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के सालों बाद साथ आने पर चिराग पासवान ने कहा कि वे भाषा के लिए नहीं, बल्कि अपने स्वार्थ के लिए साथ आ रहे हैं। वे अपना खोया हुआ आधार वापस पाने के इरादे से साथ आ रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह भारतीय भाषाओं की खूबसूरती है कि अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग भाषाएं बोली जाती हैं। हर कुछ किलोमीटर पर हमारी बोली बदल जाती है। मैं भाषाओं को दोस्त मानता हूं, वे एक साथ खुशी-खुशी बढ़ी हैं। लेकिन जिस तरह से कुछ स्वार्थी राजनीतिक दल भेदभाव की राजनीति को बढ़ावा देते हैं - चाहे वह जाति, धर्म, क्षेत्र और अब भाषा हो। मैं इसका बिल्कुल भी समर्थन नहीं करता। दोनों भाइयों ने देखा कि अलग रहने से न केवल उनकी ताकत कम हुई बल्कि खत्म भी हो गई। युवा नेता ने कहा कि मुझे यकीन नहीं है कि उन्होंने अपने मतभेद सुलझाए हैं...मेरा मानना ??है कि वे

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि भारत का संविधान हमें देश के किसी भी कोने में रहने और कोई भी भाषा बोलने की अनुमति देता है। मैं सभी भाषाओं का सम्मान करता हूं, लेकिन आप हमारी भाषा का उतना ही सम्मान करें जितना हम आपकी भाषा का करते हैं। महाराष्ट्र में हिंदी भाषा विवाद पर केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि मैं हर भाषा का समर्थन और सम्मान करता हूं।

सिर्फ. अपने राजनीतिक फायदे के लिए साथ आए हैं। मुझे नहीं लगता कि उनके दिल इतनी जल्दी जुड़ जाते और राजनीतिक मतभेद खत्म हो जाते। उद्धव ठाकरे ने शनिवार को कहा कि वह और उनके चचेरे भाई राज ठाकरे एकसाथ रहने के लिए साथ आए हैं। उद्धव ने लगभग 20 वर्ष बाद महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख के साथ राजनीतिक मंच साझा किया।

उन्होंने यह भी कहा कि वह और राज मिलकर मुंबई नगर निगम और महाराष्ट्र की सत्ता पर कब्जा करेंगे। उद्धव ने कहा, हम साथ रहने के लिए साथ आए हैं। दो दशकों के बाद उद्धव और राज ने सार्वजनिक मंच साझा किया और ह्यआवाज मराठीचाह्व नामक एक विजय सभा आयोजित की जो राज्य के स्कूलों में कक्षा एक से तीसरी के रूप में हिंदी को शामिल करने के लिए सरकार द्वारा पहले जारी किए गए दो सरकारी आदेशों को वापस लेने का जश्न मनाने के लिए की गई।

किस मुंह से बिहार में मांगेंगे वोट...

आखिर बीजेपी पर क्यों बरसे अखिलेश यादव

एजेंसी

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने जयप्रकाश नारायण अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (जेपीएनआईसी) को लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) को सौंपने के फैसले की कड़ी आलोचना की और इसे समाजवादी नेता जयप्रकाश नारायण की विरासत का अपमान बताया। अखिलेश ने इस फैसले पर गहरी निराशा व्यक्त की और केंद्र से अपने जुड़ाव को याद किया। उन्होंने कहा कि हम और चौधरी साहब विशेष रूप से दुखी हैं क्योंकि हम जेपीएनआईसी सोसाइटी के संस्थापक सदस्य थे।

अखिलेश ने केंद्र का दौरा करने की एक याद भी साझा की, जब यह खाली पड़ा था। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी पर कटाक्ष करते हुए कहा, इसे इतने सालों तक बंद रखा गया था, एक बार मैं साक्षात्कार के लिए गया था, और गार्ड को निलंबित कर दिया गया था। मैंने अपनी जेब में पानी की बोतल रखी थी, इसलिए भाजपा ने मुझसे कहा कि हमने बोतल रख ली है। अखिलेश ने आगे कहा कि जब नेताजी ने जेपीएनआईसी की आधारशिला रखी थी, तब कई समाजवादी नेता मौजूद थे। जेपीएनआईसी का निर्माण इसलिए किया गया था ताकि यह पीढ़ी लोकतंत्र के लिए संघर्ष देख सके। लोगों को संपूर्ण क्रांति के नारे के साथ आए बदलाव को देखना था। इसके अलावा, भवन को एलडीए को सौंपे जाने की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि यह भवन एलडीए को दे दिया गया, एलडीए का क्या काम है, एलडीए भवन नहीं बल्कि मछली बाजार बनाता है।

'प्रधानमंत्री मोदी की विदेश नीति दोषपूर्ण है, यह दुनिया में भारत के दुश्मन बढ़ा रही'

कांग्रेस ने लगाया सरकार पर गंभीर आरोप

एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की के कार्यकाल में जो कुछ हुआ है उसे लेकर कांग्रेस संतुष्ट नहीं है। पहलगाम हमले के बाद भारत का एक्शन, पाकिस्तान से संघर्ष के बाद अमेरिका का पाकिस्तान प्रेम- ट्रंप और मुनीर की लंच डेट, मालद्वीप के साथ परेशानियां आदि होने पर कांग्रेस ने अपने देश की सरकार पर तीखा हमला किया था। अब जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 2 से 9 जुलाई तक पांच देशों की ऐतिहासिक यात्रा पर निकले, जिसमें घाना, त्रिनिदाद और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया की यात्रा शामिल है। इस पर भी कांग्रेस उनके जाने के बाद देश की विदेश नीति पर सवाल उठा रही हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)

सरकार की विदेश नीति को दोषपूर्ण बताते हुए कहा कि इसने भारत के चारों ओर दुश्मन पैदा कर दिए हैं। खरगे ने यहां सामाजिक न्याय समारा भेरी को संबोधित करते हुए भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) को संविधान की प्रस्तावना से समाजवादी और पंथनिरपेक्ष शब्दों को हटाने की चुनौती दी। खरगे ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी दुनिया के 42 देशों की यात्रा कर चुके हैं, लेकिन अब तक उन्होंने मणिपुर का दौरा नहीं किया है, जहां लोग मर रहे हैं।

उत्तर मध्य रेलवे

संख्याः 136-ई/उप मुकाधि/नि./पुनः नियुक्ति/ग्रुप-सी/भाग-II दिनांकः 30.06.2025

अधिसूचना

विषयः निर्माण संगठन/एनसीआर के सिविल, विद्युत, एस एंड टी और परिचालन विभागों में अनुबंध के आधार पर रिक्त पदों पर सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पुनः नियुक्ति के संबंध में।

संदर्भः रेलवे बोर्ड का पत्र संख्या ई(एनजी)II/2024/आरसी-4/9 दिनांक 15.10.2024 और 31.12.2024

निर्माण संगठन/उमरे में सेवाओं की अनिवार्यता हेतु पुनः नियुक्ति के लिए इच्छुक सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों से निम्नलिखित नियमों और शर्तों के साथ विकल्प मांगे जाते हैः-

(1) वेतन स्तर-01 से वेतन स्तर-09 में सेवानिवृत्त हुए गैर-राजपत्रित रेलवे कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति के समय उनके द्वारा धारित मूल वेतन-स्तर में उपलब्ध रिक्ति के समान पद के विरुद्ध पुनः नियुक्ति के लिए विचार किया जाना है। **(2)** रेलवे बोर्ड के द्वारा जारी नियमानुसार आवेदक को आवेदित पद की चिकित्सा श्रेणी में योग्य होना अनिवार्य है। **(3)** पुनः नियुक्ति किए जा रहे सेवानिवृत्त कर्मचारी सुरक्षा संबंधी सेवानिवृत्ति योजना/सुरक्षा कर्मचारियों के लिए गारंटीकृत रोजगार हेतु उदारीकृत सक्रिय सेवानिवृति योजना (एलएआरएसजीईएसएस)/हटाए गए/बर्खास्त किए गए/अनिवार्य सेवानिवृत्त के अंतर्गत कवर नहीं किए गए होने चाहिए। **(4)** कर्मचारियों की उपयुक्तता/योग्यता का निर्धारण नामित समिति द्वारा किया जाएगा। **(5)** पुनः नियुक्ति हेतु कर्मचारी डीएआर/सतर्कता मामलों से मुक्त होना चाहिए। **(6)** पुनः नियुक्ति अधिकतम 65 वर्ष तक होगी। **(7)** पुनः नियुक्त सेवानिवृत्त कर्मचारियों का पारिश्रमिक, भत्ते और अवकाश रेलवे बोर्ड द्वारा जारी दिशा-निर्देशों और व्यय विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के दिनांक 09.12.2020 के कार्यालय ज्ञापन संख्या एफ.सं. 3-25/2020-ई.IIIA के अनुसार होंगे, जो निम्नानुसार हैंः- **(अ)** सेवानिवृत्ति के समय प्राप्त वेतन से मूल पेंशन की कटौती करके अनुबंध अवधि के दौरान एक निश्चित मासिक राशि पारिश्रमिक के रूप में स्वीकार्य होगी। इस प्रकार निर्धारित पारिश्रमिक की राशि अनुबंध की अवधि के लिए अपरिवर्तित रहेगी। **(ब)** अनुबंध की अवधि के दौरान कोई वेतन वृद्धि, महंगाई भत्ता और एचआरए की अनुमति नहीं दी जाएगी। **(स)** निवास और कार्य के स्थान के बीच आवागमन के उद्देश्य से परिवहन भत्ते के रूप में एक उचित और निश्चित राशि की अनुमति दी जाएगी हालांकि, सेवानिवृत्ति के समय उनकी पात्रता के अनुसार उन्हें आधिकारिक दौरे पर टीए/डीए, यदि कोई हो, की अनुमति दी जा सकती है। **(घ)** सेवा के प्रत्येक पूर्ण माह के लिए 1.5 दिनों की दर से सवेतन अनुपस्थिति अवकाश की अनुमति दी जा सकती है। एक कैलेंडर वर्ष से अधिक अवकाश संचय की अनुमति नहीं दी जाएगी। **(8)** पुनः नियुक्ति अवधि 01 वर्ष की अवधि या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, के लिए होगी। हालांकि, पुनः नियुक्त सेवानिवृत्त कर्मचारी के संतोषजनक प्रदर्शन के आधार पर, उसकी नियुक्ति की अवधि को एक वर्ष की अवधि के लिए या 65 वर्ष की आयु प्राप्त करने तक, जो भी पहले हो, आगे बढ़ाया जा सकता है। **(9)** आरआरबी से चयनित उम्मीदवारों के शामिल होने पर पुनः नियुक्त कर्मचारियों को तुरंत हटा दिया जाएगा। **(10)** पुनः नियुक्त कर्मचारियों को इकाई का प्रभारी नहीं बनाया जाएगा। पुनः नियुक्त कर्मचारियों को वित्तीय और डी एंड एआर शक्तियाँ नहीं दी जाएंगी और उन्हें कोई सुरक्षा प्रमाण पत्र जारी करने के लिए अधिकृत नहीं किया जाएगा। पुनः नियोजित कर्मचारी वित्तीय एवं अन्य मामलों पर अपने सुझाव नियमित या सेवारत कर्मचारियों/अधिकारियों को दे सकते हैं। **(11)** केवल वे सेवानिवृत्त कर्मचारी जो अधिवर्षिता के कारण सेवानिवृत्त हुए हैं वो सेवानिवृत्त के समय धारित वेतन लेवल एवं सेवानिवृत्ति विभाग में ही आवेदन करने के पात्र हैं। **(12)** चयनित आवेदक को निर्माण संगठन/एनसीआर के किसी भी स्टेशन पर तैनात किया जा सकता है। **(13)** पुनः नियोजित कर्मचारियों को पुनः नियोजित होने की सभी शर्तों का पालन करने के लिए एक अनुबंध पर हस्ताक्षर करना होगा। **(14)** पुनः नियुक्त का कार्य/आचरण असंतोषजनक पाया जाता है तो प्रशासन पुनः नियोजित कर्मचारियों की सेवा अवधि पूरी होने से पहले ही 7 दिन का नोटिस देकर समाप्त करने के लिए स्वतंत्र है। पुनः नियोजित सेवानिवृत्त कर्मचारी को अपनी सेवाएं समाप्त करने से पहले 7 दिन का नोटिस देना होगा। **(15)** अनुलग्नक- 'अ' में दर्शाये पदों को सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों द्वारा भरे जाने का प्रस्ताव है।

आवेदन कैसे करेंः- योग्य एवं इच्छुक सेवानिवृत्त रेलवे अराजपत्रित कर्मचारी (वेतन स्तर-01 से स्तर-09 तक) निर्धारित प्रारूप (अनुलग्नक 'बी' संलग्नक) में आवेदन को तथा आवश्यक दस्तावेजों के साथ जमा करें जैसे - स्व-सत्यापित (i) पी.पी.ओ. की फोटोकॉपी (ii) सेवा प्रमाण पत्र (iii) पेंशन पहचान पत्र तथा (iv) हाल ही की पासपोर्ट साइज फोटो की 02 प्रतियां। आवेदन को मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण कार्यालय, हॉल संख्या-02, एच-ब्लॉक, भागीरथी बिल्डिंग, सूबेदारगंज, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज-211015 (यूपी) में अंतिम तिथि 21 जुलाई 2025 तक भेजना आवश्यक है। यह अधिसूचना एनसीआर की वेबसाइट **http://ncr.Indianrailways.gov.in** पर भी उपलब्ध है।

(इफ़्तिख़ार अहमद खान)
वरिष्ठ कार्मिक अधिकारी/निर्माण
कृते मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण

अनुलग्नक 'अ'

Posts proposed for re-engagement in Construction Organisation/NCR
(Notification No. 136E/Dy. CPO/C/Re-engagement/Gr. C/Pt.-II dated 30.06.2025)

Civil Engineering

Designation	Pay Level	Vacancies
SSE_Works	7 to 9	29
SSE_P.Way	8 to 9	14
SSE_D&D	9 to 9	5
JE_Works	6	6
JE_P.Way		4
JE_D&D		5
Steno	6	1
Ch. OS	7	4
OS	6	1
Trackman-II & III	2, 3 & 4	44
Trackman-IV	1	9
General Assistant	1	42
	Total	164

OPTG

Designation	Pay Level	Vacancies
WMI	7	1
OS	6	1
GA Pointsman	1 to 2	2
	Total	4

S&T

Designation	Pay Level	Vacancies
SSE_Sig.	7 to 8	3
SSE_Tele	8 to 8	2
JE_Sig.	6	2
Tech-I_Sig.	5	6
Tech-II_Sig.	4	1
Tech_III_Sig.	2	2
Tech_I_Tele	5	2
Helper	1	12
	Total	30

Electrical Engineering

Designation	Pay Level	Vacancies
SSE	7 to 9	1
JE	6	1
Ch. OS	7	3
OS	6	3
Sr. Clerk	5	1
Sr. Technician	6	1
Technician-I	5	4
Technician-II	4	6
Technician-III	2	2
Helper	1	10
	Total	35

अनुलग्नक 'ब'

उत्तर मध्य रेलवे के निर्माण संगठन में पुनः नियुक्ति (रि-इंगेजमेंट) हेतु आवेदन पत्र
(अधिसूचना संख्या 136-ई/उप मुकाधि/नि./पुनः नियुक्ति/समूह-सी/भाग-II दिनांक 30.06.2025)

सेवा में,
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण
उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज-211015

मैं, पदनाम .... हेतु उक्त अधिसूचना में उल्लिखित नियमों और शर्तों पर मासिक पारिश्रमिक के आधार पर निर्माण संगठन/एनसीआर की यूनिट .... (यूनिट का नाम) विभाग .... (सिविल/विद्युत/एस एंड टी/परिचालन) विभाग में पुनः नियुक्ति के लिए आवेदन करता/करती हूँ। मेरी सेवा का विवरण इस प्रकार हैः-

1.	नाम (स्पष्ट अक्षरों में)		
2.	पिता का नाम (स्पष्ट अक्षरों में)		
3.	जन्म तिथि DD-MM-YYYY		
4.	सेवानिवृत्ति की तिथि DD-MM-YYYY		
5.	65 वर्ष की आयु पूर्ण होने की तिथि		
6.	सेवानिवृत्ति के समय पदनाम		
7.	ग्रेड पे/लेवल (नियमित पदोन्नति के अनुसार)		
8.	ग्रेड पे/लेवल (MACP के अनुसार) यदि हो तो		
9.	अंतिम आहरित वेतन (वेतनमान)		
10.	स्थान जहां से सेवानिवृत्त हुए	1. मण्डल का नाम .... 2. यूनिट (यदि निर्माण) .... 3. विभाग	
11.	सेवानिवृत्ति होने का तरीका (कृपया उपयुक्त बॉक्स में टिक मार्क करें)	1. अधिवर्षिता 2. वीआरएस 3. लार्जेस 4. किसी अन्य तरीके से (निर्दिष्ट करें)	
12.	पीपीओ संख्या और तिथि		
13.	संलग्नक (सत्यापित छायाप्रति संलग्न): (कृपया उपयुक्त बॉक्स में टिक मार्क करें)	हाँ	नहीं
अ.	सेवा प्रमाण पत्र		
ब.	पेंशन पहचान पत्र		
स.	पेंशन भुगतान आदेश		
14.	मोबाइल नंबर		
15.	आधार कार्ड नंबर		
16.	पत्राचार के लिए पूरा पता (पिन कोड के साथ)		

मैं घोषणा करता/करती हूँ कि ऊपर दी गई जानकारी मेरे सर्वोत्तम ज्ञान के अनुसार सत्य है और यदि यह गलत/झूठी पाई जाती है तो मैं दंडात्मक कार्रवाई के लिए उत्तरदायी हूँ। मैं यह भी घोषणा करता/करती हूँ कि मैंने अधिसूचना में निर्धारित नियमों और शर्तों को पढ़ लिया है और मैं उनका पालन करूँगा/करूँगी।

हाल ही का पासपोर्ट आकार का रंगीन फोटो चिपकाएं एवं फोटो पर हस्ताक्षर करें

आवेदक के हस्ताक्षर
नामः ....
स्थानः ....
दिनांकः ....

1159/25(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in